www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 184 || लखनऊ
सोमवार
05 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:00
सूर्यास्तः 05:48
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 23°00


पेज 07

विशेष समाचार | शिक्षकों पर है नई सृष्टि और... »पेज 04 | सीईसी के घर कालिख... »पेज 06 | पति की हिंदी सुनकर हैरान हुईं...





मुलायम सरकार में बना जिला, मायावती ने बदला नाम, अखिलेश सरकार में फिर भदोही और अब योगी ने दोनों नामों को जोड़ा

भदोही से संत रविदास नगर तक...

नामकरण

तमसा संकेत, एजेंसी

भदोही। सीएम योगी ने रविवार को भदोही जिले का नाम बदल दिया। 50वें इंडिया कारपेट एक्सपो में उन्होंने कहा- अब भदोही 'संत रविदास नगर भदोही' के नाम से जाना जाएगा। सीएम ने इससे पहले 29 जुलाई, 2026 को वाराणसी में भदोही का नाम 'संत रविदास नगर' करने की घोषणा की थी। 32 साल में 5वीं बार भदोही का नामकरण किया गया है। योगी ने संत रविदास के करीब 600 वर्ष पहले दिए संदेश का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे राज की कामना की थी, जहां सबको अन्न मिले और बिना भेदभाव सभी साथ रहें। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। अब योगी सरकार ने दोनों नामों को जोड़ते हुए 'संत रविदास नगर भदोही' करने की बात कही है। जिला प्रशासन के इतिहास के मुताबिक 'भदोही' नाम का संबंध यहां रहे भार राज्य (राजभर) से बताया जाता है। वहीं संत रविदास का नाम दलित समाज की आस्था और सम्मान से जुड़ा है। संत रविदास नगर, मिर्जापुर और वाराणसी के सिल्क क्लस्टर की देश के कुल कालीन निर्यात में 60% हिस्सेदारी है। अकेले संत रविदास नगर में 2,500 से ज्यादा एमएसएमई यूनिट हैं।

32 साल में 5 बार बदला नाम



1,340 करोड़ से अधिक लागत की 112 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास हुआ।

अब कोई माफिया नहीं धमका सकता व्यापारी को

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब दंगा, कर्फ्यू और माफियागिरी का माहौल नहीं है। व्यापारी और उद्यमी सुरक्षित माहौल में कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में करीब 14 हजार कारखाने थे, अब इनकी संख्या 35 हजार से ज्यादा हो गई है। यूपी में 96 लाख एमएसएमई यूनिट हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए संसद भवन में बिछा कालीन भी संत रविदास नगर में तैयार हुआ है। ओडीओपी प्लेटफॉर्म और कारपेट एक्सपो मार्ट जैसी सुविधाएं मिली हैं।

दलित-राजभर दोनों को संदेश, योगी ने एक नाम में जोड़ी दो विरासत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही का नाम 'संत रविदास नगर भदोही' रखने की घोषणा दोहराई। इससे जिले के नाम में संत रविदास की पहचान के साथ 'भदोही' नाम भी बरकरार रहेगा। इसे जिले के इतिहास और सामाजिक समीकरण से जोड़कर देखा जा रहा है। 30 जून 1994 को मुलायम सिंह यादव सरकार ने वाराणसी से अलग कर भदोही को नया जिला बनाया था। 4 दिसंबर 1997 को मायावती सरकार ने इसका नाम 'संत रविदास नगर' किया। 2014 में अखिलेश यादव सरकार ने फिर नाम बदलकर 'भदोही' कर दिया।



मुख्यमंत्री ने भदोही, औराई और ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ से अधिक की 112 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 65 परियोजनाओं का लोकार्पण और 47 का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, आवास की चाबी, नियुक्ति पत्र और आयुष्मान कार्ड दिए।

एक्सपो में 500 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

50वें इंडिया कारपेट एक्सपो में देशभर के निर्यातकों ने अपने प्रोडक्ट के स्टॉल लगाए हैं। आयोजकों के अनुसार, 65 देशों के खरीदारों के पहुंचने और 500 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार की संभावना है। एक्सपो 4 से 7 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से कालीन उद्योग को फायदा होगा। विंध्य एक्सप्रेसवे के विस्तार के बाद संत रविदास नगर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट करीब छह घंटे में पहुंचा जा सकेगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक ग्रेटर नोएडा में हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 6 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे।



विश्वविद्यालय का होगा विधिवत लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय को विश्वविद्यालय की मान्यता मिल चुकी है। जिले के कॉलेजों को इससे जोड़ने की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। जल्द विश्वविद्यालय का विधिवत लोकार्पण होगा और नए भवन का शिलान्यास कराया जाएगा।

विंध्य एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा संत रविदास नगर

गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार के तहत संत रविदास नगर को विंध्य एक्सप्रेसवे से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। माधोसिंह रेलवे फ्लाईओवर की डीपीआर तैयार है और जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास सभी को साथ लेकर होना चाहिए।

ओडीओपी ने कालीन को दिया बड़ा बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी योजना से भदोही के कालीन को तकनीक, डिजाइन और बड़ा बाजार मिला।

अब यहां के 90% कालीन अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन समेत कई देशों में निर्यात हो रहे हैं।

केरलम सरकार का ज्ञानेश के खिलाफ जांच का आदेश

2006 में पीडब्लूडी इंजीनियर की आत्महत्या का मामला

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है। वह केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (KSTP) के तहत MC रोड के अपग्रेडेशन का काम कर रहे PATI-BEL कंसोर्टियम से जुड़े थे। शिकायत के मुताबिक, ली सी बीन ने आरोप लगाया था कि सड़क के काम का भुगतान जारी करने के बदले तत्कालीन PWD सचिव ज्ञानेश कुमार ने रिश्वत मांगी थी। यह सड़क प्रोजेक्ट वर्ल्ड बैंक की मदद से चल रहा था। चेन्निथला ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली थी कि 2006 में हुई विजिलेंस जांच बाहरी दबाव के कारण प्रभावित हुई थी। इसके बाद उन्होंने मामले की दोबारा जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि विजिलेंस पूरे मामले की जांच करेगी और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी करेगी। साल 2006 में अंगमाली से तिरुवनंतपुरम तक की 'एमसी रोड' को दोबारा बनाने का काम शुरू हुआ था। इस काम का खर्च करीब 215 करोड़ रुपये था, जिसके लिए पैसा 'विश्व बैंक' ने दिया था और यह काम केरल सरकार के परिवहन विभाग (KSTP) ने संभाला था।

» (शेष पेज 06 पर)

दोनों आयुक्तों ने भी 4 बड़े सवाल उठाए

1. फॉर्म-6 में बदलाव: नए वोटरों से पिछली SIR लिस्ट में खुद या परिवार के नाम की जानकारी मांगने पर दोनों ने सवाल उठाया। संधू ने इसे गैरकानूनी बताते हुए हटाने की मांग की।

2. वोटर डेटा का कंट्रोल: दोनों ने सवाल किया कि वोटर डेटाबेस का कंट्रोल दिल्ली में क्यों बढ़ रहा है और राज्यों की पहुंच क्यों सीमित हो रही है।

3. बंगाल में 16 लाख अपीलें: संधू ने पूछा कि हटाए गए नामों को लेकर करीब 16 लाख अपीलें किसने और किसकी अनुमति से दायर कीं।

4. गोवा के 97 वोटर: जांच में योग्य पाए गए 97 वोटरों को सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण अंतिम लिस्ट में नहीं जोड़ा जा सका।

●राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, SIR और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, लेकिन सरकार ने मेरी बात नहीं मानी।



फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस पर 3 महिला पत्रकारों से बदसलूकी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली में जंतर-मंतर पर 3 महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी पर बदसलूकी का आरोप लगाया है।

दिल्ली पुलिस ने जांच के लिए केस क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। क्राइम ब्रांच अब महिला पत्रकारों के बयान दर्ज करेगी और पूरे मामले की जांच करेगी।

मताधिकार से वंचित करने वाली प्रक्रिया मनमानी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा कि लाखों भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मनमानी है। ऐसी प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था को नकारती है।

कोई भी बहाना इसे सही नहीं ठहरा सकती। जस्टिस भुइयां हैदराबाद में NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जस्टिस भुइयां ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों के दो वर्ग नहीं बनाता। एक वर्ग को वोट देने का अधिकार और दूसरे वर्ग को इससे वंचित रखने की व्यवस्था नहीं हो सकती।

घाव जल्दी भरें, इसलिए शहद लगाता था लश्कर कमांडर मूसा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के यूसमर्ग में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा गोली से हुए घावों पर शहद लगाता था। वह घाव जल्दी भरने और संक्रमण रोकने के लिए यह तरीका अपनाता था। मूसा को 4 दिन पहले मध्य कश्मीर के बडगाम के यूसमर्ग में सेना ने मार गिराया।

मंदिरों पर हमले बर्दाश्त नहीं :शुभेंदु अधिकारी

6 महीने में लव-लैंड जिहाद के खिलाफ कानून लाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि 6 महीने में लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। साथ ही राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तरह समान नागरिक संहिता (UCC) लागू की जाएगी।

कोलकाता में विश्व हिंदू परिषद (VHP) के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी समारोह के दौरान कही। अधिकारी ने कहा कि BJP सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, परंपरा और पूजा स्थलों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगी।

पश्चिम बंगाल सरकार ने UCC का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में हाईलेवल कमेटी बनाई है।

दिल्ली में भी आप, स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे, सीईसी के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन



विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए SIR को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)



उद्धव की स्पीच, 2 बड़ी बातें, बोले- मेरा सवाल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर है

■ **करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गए:** देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं।

■ **चुनाव आयुक्त की नियुक्ति चुनाव से होनी चाहिए:** चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए। पहले एक समिति होती थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होते थे। उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए एक मंत्री को नियुक्त किया गया।

11
राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के

एकता : गुलामी के समय एक तबका समाज को बांट रहा था, वह आज भी सक्रिय

विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देना है : योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा- "हम कैसा भारत चाहते हैं? बिखरा हुआ भारत, बंटा हुआ भारत? जातीय खेमों में आपस में लड़ता हुआ भारत? याद रखना, अगर आप ऐसे भारत की कल्पना करते हैं तो हम अपने पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धा नहीं रखते हैं।" उन्होंने कहा- हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत चाहिए। हम सबको मिलकर ऐसे भारत के लिए काम करना है। गुलामी के समय में भी एक तबका था, जो समाज को बांट रहा था। आज भी वो तत्व समाज को जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटकर देश की एकता को छिन्न-भिन्न कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि यह राष्ट्रमाता और भारत माता के प्रति अपराध है। यह अपने पूर्वजों के प्रति भी अपराध है। यह भारत की स्वाधीनता को फिर से खतरे में डालने की चेष्टा है। जब भी राष्ट्र के ऊपर ऐसा संकट दिखाई देता है, तब शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि इन विभाजनकारी ताकतों को किसी भी तरह सफल न होने दें। मुख्यमंत्री, रविवार को लखनऊ में अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। कार्यक्रम आशियाना स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। गायत्री परिवार के युवा प्रमुख चिन्मय पंड्या ने लोटा और माला देकर सीएम योगी का स्वागत किया।



मनुष्य के पास धन-सुविधा के साथ बेचैनी भी

डॉ. पंड्या ने कहा कि स्वार्थ और संकीर्णता फैशन बन गए हैं, जबकि धर्म, न्याय, नीति, मूल्य, सदाचार और निष्ठाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती नजर आती हैं। लोगों के मन में एक मंत्र बैठ गया है कि मेरी इच्छा पूरी हो, अभी हो, इसी समय हो और किसी भी कीमत पर हो। दूसरे का नुकसान करके भी अपनी इच्छा पूरी करने की सोच बढ़ रही है। व्यक्ति के पास आज सब कुछ है। धन और सुविधाएं हैं, लेकिन तनाव, बेचैनी, दुर्विचार और असंतोष भी है। सब कुछ पा लेने के बाद भी व्यक्ति अपने भीतर खोखलापन महसूस कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने 10 स्कूलों के बच्चों को सम्मानित किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

इन 10 स्कूलों को सीएम योगी ने मंच से सम्मानित किया

- सीता इंटर कॉलेज, सीतापुर
- चंद्रशेखर एम. पब्लिक स्कूल, रायबरेली
- लखनऊ पब्लिक स्कूल, लखनऊ
- डॉ. केएन मोदी विज्ञान इंटर कॉलेज, गाजियाबाद
- श्री सूर्यप्रताप इंटर कॉलेज, अमेठी
- अमर सिंह इंटर कॉलेज, बुलंदशहर
- चित्रकूट इंटर कॉलेज, चित्रकूट
- आशुतोष बृज मोहन लाल इंटर कॉलेज, सीतापुर
- एमजी पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर
- सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

तमिलनाडु समेत 4 राज्यों में उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म

सीएम विजय ने धारापुरम में 40 किमी लंबा रोड शो किया

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का प्रचार रविवार को खत्म हो गया। दोनों सीटें SC के लिए आरक्षित हैं और यहां पांचतरफा मुकाबला है। सत्तारूढ़ TVK के संस्थापक और मुख्यमंत्री जोसेफ सी. विजय ने धारापुरम में तीन घंटे से ज्यादा लंबा रोड शो किया।

उन्होंने करीब 40 किमी की दूरी तय की और लोगों से छोटी मुलाकातें कीं। 4 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 6 सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। इनमें तमिलनाडु की 2, पश्चिम बंगाल की 2 और पुडुचेरी की 1 विधानसभा सीट शामिल है। इसके अलावा असम की 1 लोकसभा सीट भी शामिल है।



निर्वाचन आयोग के नियम के मुताबिक, वोटिंग से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद कर दिया जाता है। यानी 4 अक्टूबर शाम 5 बजे से 6 अक्टूबर को मतदान खत्म होने तक किसी भी तरह के प्रचार पर रोक है। मंगलवार को वोटिंग होगी। नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे।

31 प्रवक्ताओं में 10 ब्राह्मण, 25 मीडिया पैनलिस्ट बने, पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के विरोधी को मिली जगह

यूपी भाजपा की मीडिया टीम घोषित

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार रात पार्टी की मीडिया टीम घोषित कर दी। हिमांशु दुबे और दीपक बघेल को सह-मीडिया प्रभारी बनाया गया है। समीर सिंह, हीरो बाजपेयी, राकेश त्रिपाठी, मनीष शुक्ला, कौशलेंद्र पटेल, प्रियंक पांडेय, ऋचा सिंह, नवीन श्रीवास्तव, अंकुश त्रिपाठी, अवनीश त्यागी समेत 31 प्रवक्ता बनाए गए हैं।

चंद्र मोहन चौबे, अपर्णा दीक्षित, धनंजय शुक्ला समेत 25 मीडिया पैनलिस्ट बनाए गए हैं। इनमें 2 मुस्लिम चेहरे- अमील शम्सी और जेबा यास्मीन भी शामिल हैं। दिवस चतुर्वेदी और मनोज त्रिवेदी को मीडिया वॉच की जिम्मेदारी दी गई है। क्षेत्रीय स्तर पर पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और गोरखपुर के लिए मीडिया संयोजक और सह-मीडिया संयोजक भी नियुक्त किए गए हैं।



रवि सोनकर काफी दिनों से पद पाने की कोशिश कर रहे थे।



मीडिया टीम में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के कई करीबियों को जगह मिली है।



यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मीडिया टीम में भी जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है।

भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए यूपी में बड़ी मीडिया टीम तैयार की है। कौशलेंद्र पटेल, राम निवास यादव समेत कई पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं को प्रवक्ता बनाया है। इनमें ऐसे कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्हें पार्टी की प्रदेश या क्षेत्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। नई मीडिया टीम में ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, भूमिहार, पिछड़ी जातियों, दलित वर्ग और मुस्लिम समुदाय को साधने की कोशिश की गई है। खास बात यह भी है कि भाजपा ने इस बार प्रवक्ताओं की संख्या करीब दोगुनी कर दी है। पिछली बार 16 प्रवक्ता थे। इस बार 31 प्रवक्ता बनाए गए हैं। 14 नए चेहरे हैं। पार्टी ने मौजूदा प्रवक्ताओं में से आलोक अवस्थी, प्रशांत वशिष्ठ और हरिश्चंद्र श्रीवास्तव को हटाया गया है। पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के विरोधी रहे दिलीप श्रीवास्तव को भी प्रवक्ता बनाया गया है।

बीजेपी की मीडिया टीम में डिप्टी सीएम के करीबियों को भी जगह

भाजपा की नई मीडिया टीम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के करीबी माने जाने वाले नेताओं को भी प्रवक्ता और पैनलिस्ट बनाया गया है। केशव मौर्य के करीबी कौशलेन्द्र पटेल और नवीन श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। कौशलेन्द्र पटेल वाराणसी के पूर्व महापौर रह चुके हैं। उन्होंने 2018 में कौशाम्बी लोकसभा उपचुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। इसके बाद से उन्हें पार्टी की प्रदेश टीम में जगह नहीं मिली थी। अब उन्हें मीडिया टीम में प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

भाजपा ने साधा जातीय समीकरण, 10 ब्राह्मण और 8 पिछड़े वर्ग से

31 प्रवक्ताओं में 10 ब्राह्मण, 8 पिछड़े वर्ग, 4 दलित, 3 ठाकुर और 2 भूमिहार शामिल हैं। पिछड़े वर्ग से बनाए गए 8 प्रवक्ताओं में 3 कुर्मी हैं। पहले दलित समाज से 2 प्रवक्ता थे, अब यह संख्या बढ़कर 4 हो गई है।

अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष लालजी निर्मल को भी प्रवक्ता बनाया गया है। इसके अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के करीबी माने जाने वाले आलोक वर्मा और प्रशांत उमराव को भी प्रवक्ता बनाया गया है। जानकार मानते हैं कि समय-समय पर सरकार और भाजपा से जुड़े विषयों पर मीडिया में पक्ष रखने के लिए संबंधित जाति समुदाय के प्रवक्ता की जरूरत होती है, इसलिए पार्टी ने सभी वर्गों से प्रवक्ता बनाए हैं। ये जनता के बीच पार्टी का प्रमुख चेहरा होते हैं। जनता के बीच सबसे ज्यादा इन्हें ही पहचान मिलती है।



कौशलेन्द्र पटेल को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का करीबी माना जाता है।

मीडिया टीम के गठन में भी प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह का दबदबा दिखा है। राष्ट्रीय संगठक नागेंद्र नाथ के करीबी मनीष दीक्षित को पहले ही मीडिया संयोजक बनाया गया था। अब मीडिया सूची प्रवक्ता, पैनलिस्ट और मीडिया वॉच में धर्मपाल सिंह के करीबी और भरोसेमंद लोगों को जगह मिली है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में एसटीएफ ने दबोचे 2 तस्कर

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने अंतरराज्यीय स्तर पर अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। टीम ने रविवार को लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र अहिमामऊ सर्विस रोड, अमारा फार्म मोड़ से गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। तस्कर बिहार और मध्य प्रदेश से 30 से 40 हजार रुपये में पिस्टल खरीदकर यूपी के अलग-अलग जिलों में 80 हजार से 1 लाख रुपये तक में बेचते थे।

लखनऊ के निशातगंज पुल पर एक्सीडेंट

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र के निशातगंज पुल पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। गोल मार्केट की ओर से रॉन्ग साइड में आ रही स्कूटी और सामने से आ रही तेज रफ्तार कार की भिड़ंत में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब 12:30 बजे की है। पुलिस चौकी के सामने यह दुर्घटना हुई। अमेठी निवासी सत्यमान सिंह (30) अपनी स्कूटी UP41 BL 9679 से गोल मार्केट की तरफ से निशातगंज की ओर रॉन्ग साइड आ रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा अल्ट्रोज कार UP32 RE 4214 से स्कूटी की जोरदार टक्कर हो गई।

दरोगा की मां-ताऊ की मौत, एक्सयूवी कार खंभे से टकराई

दुबग्गा। लखनऊ में रविवार सुबह 9 बजे सड़क हादसे में दरोगा की मां और ताऊ की मौत हो गई। काकोरी में आउटर रिंग रोड पर उनकी XUV300 कार खंभे से टकराकर कई बार पलटी और फिर सीधी हो गई। हादसे में पीछे बैठे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दरोगा और कार चालक घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर काकोरी में चकौली अंडरपास के पास हुआ।

निर्माण श्रमिको का बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन अनिवार्य रूप से कराया जाय

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माण श्रमिको का बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन अनिवार्य रूप से कराया जाय । उप मुख्यमंत्री के निर्देशो के क्रम मे वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत 90 दिवस का कार्य पूर्ण कर चुके श्रमिकों का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (BOCW Board) में पंजीकरण कराया जा रहा है। पंजीकरण के उपरांत श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित 17 प्रकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रदेश में अब तक 17.32 लाख श्रमिकों का बी.ओ.सी.डब्ल्यू. बोर्ड में पंजीकरण कराया जा चुका है। उन्होंने निर्देश दिए कि विकसित भारत - जी राम जी के अंतर्गत जिन श्रमिकों ने 90 दिन का काम किया है,उन्हें बी ओ सी डब्ल्यू बोर्ड में पंजीकृत करने की कार्यवाही लगातार किया जाय और इस बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों को पत्र के माध्यम से यह अवगत कराने की कार्रवाई की जाय कि उन्हें श्रम विभाग की किन-किन योजनाओं का क्या-क्या लाभ अनुमन्य है, ताकि इसकी जानकारी हासिल कर वह उन योजनाओं का लाभ हासिल कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ।

ने पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत निर्माण कार्यों के सम्पादन में लगे श्रमिकों का उ०प्र० बिल्डिंग एण्ड अदर कन्स्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

प्रभावित क्षेत्रों में राहत किट, भोजन, आवश्यक दवाओं एवं पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने के निर्देश

गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत स्थलीय नाव द्वारा निरीक्षण

प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता- गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों को प्राथमिकता से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गोमती नदी के बढ़ते हुए जलस्तर के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री विशाख जी0 एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री बब्लू कुमार द्वारा बरावन कला, सैथा आदि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा



प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा, राहत सामग्री की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुरक्षित स्थानों पर लोगों के शिफ्टिंग की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने प्रभावित नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए स्थापित बाढ़ राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया। शिविर में मौजूद चिकित्सकों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने प्रभावित नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवश्यक दवाओं के वितरण की जानकारी ली। चिकित्सकों द्वारा अवगत कराया गया कि प्रभावित नागरिकों को आवश्यकतानुसार दवाओं की किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यक दवाओं की पर्याप्त किट तैयार कर तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जाएं तथा जरूरतमंद नागरिकों को दवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाए।

रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ दारुल नगर में अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश

प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा नगर मजिस्ट्रेट को तत्काल 10 नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को भोजन एवं राहत किट उपलब्ध कराने तथा प्रभावित पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा एवं चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।



नावों के माध्यम से घर-घर राहत किट पहुंचाने का कार्य

जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रातःकाल से ही समस्त प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीमों को सक्रिय करते हुए नावों के माध्यम से घर-घर राहत किट पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रभावित नागरिकों को भोजन, आवश्यक राहत सामग्री एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को लगातार समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

शादी के बाद आधार-पैन बनवाया, पबजी से शुरू हुई थी लव स्टोरी, दुबई से 2 बार मिलने आया

पकड़ा गया बांग्लादेशी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में तीन साल से रह रहा एक बांग्लादेशी युवक शनिवार को पकड़ा गया। उसने भारत का आधार, पैन कार्ड और वोटर कार्ड तक बनवा लिया था। ये दस्तावेज उसने जनसेवा केंद्र संचालक की मदद से बनवाए थे। बांग्लादेशी युवक का पबजी गेम खेलते समय लखनऊ की एक महिला से अफेयर हो गया था।

पुलिस की जांच में सामने आया कि बांग्लादेशी युवक ने 3 साल पहले लखनऊ आकर महिला से कोर्ट मैरिज की। फिर दोनों साथ रहने लगे। अब तक 2 बार दुबई आ-जा चुका है। युवक की पहचान मो. सज्जाद हुसैन (28) के रूप में हुई है। वह बाजारखाला के भदेवा स्थित नसीरुल्ला अपार्टमेंट रह रहा था। सज्जाद ने बताया कि वह बचपन में पिता अब्दुल कादिर के साथ दुबई में रहने लगा। उनका घर बांग्लादेश के चटोग्राम में हथाजरल रहीमपुर में है। 2023 में लखनऊ आने के बाद अब तक 2 बार दुबई आया-गया। अंतिम बार 9 जुलाई 2026 को यहां आया, तब से यहीं है। 23 सितंबर को टूरिस्ट वीजा खत्म हो गया था। करीब 10 दिन बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सज्जाद के पास बांग्लादेश के 2 पासपोर्ट भी मिले हैं। पुलिस ने सज्जाद की निशानदेही पर तलहा को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से फर्जी आधार, पैन और वोटर आईडी, दो मोबाइल फोन, कंप्यूटर और फर्जी निवास और जन्म प्रमाण पत्र की रंगीन प्रतियां बरामद की गई हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।



2018 में पबजी पर हुई थी महिला से दोस्ती

पूछताछ में सज्जाद ने पुलिस को बताया कि 2018 में पबजी खेलने के दौरान उसकी पहचान लखनऊ की फरहीन नाज से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और बाद में अफेयर हो गया। महिला से मिलने के लिए सज्जाद 18 अगस्त 2023 को बांग्लादेशी पासपोर्ट पर टूरिस्ट वीजा लेकर सऊदी अरब से लखनऊ आ गया। 28 अगस्त 2023 को दोनों ने अयोध्या में कोर्ट मैरिज कर ली। भारत में रहने और बैंक खाता खुलवाने के लिए सज्जाद को भारतीय पहचान पत्र की जरूरत थी।



बैंक डेट में बनवाया निवास प्रमाण पत्र

पुलिस के मुताबिक, तलहा ने सज्जाद के लिए फर्जी निवास और जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए। निवास प्रमाण पत्र पर 10 अगस्त 2023 की तारीख दर्ज है, जबकि सज्जाद पहली बार 18 अगस्त 2023 को भारत आया था। यानी उसका निवास प्रमाण पत्र बैंक डेट में बनाया गया या फिर संपर्क कर भारत आने से पहले ही निवास प्रमाण पत्र जारी करवा लिया।

इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर उसका आधार कार्ड बनवाया गया। इसके बाद आधार के जरिए पैन कार्ड और वोटर आईडी भी तैयार कराई गई। पुलिस के अनुसार, इसके लिए सज्जाद ने तलहा की मां के खाते में QR कोड के जरिए 900 रुपए भेजे और 2 हजार रुपए नकद दिए। इन दस्तावेजों के आधार पर सज्जाद ने कोटक महिंद्रा बैंक की नाका शाखा में खाता भी खुलवाया था।

राजधानी में एंबुलेंस ड्राइवरों ने भाजपा दफ्तर का घेराव किया

बोले- 5 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को भाजपा दफ्तर के बाहर डायल-108 और डायल-102 के एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। नारा लगाया- 'कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, ओमप्रकाश राजभर समेत कई मंत्रियों के आवास का घेराव भी कर चुके हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि GVKEMRI कंपनी ने हमें कोरोनाकाल के तुरंत बाद बाद 2021 में नौकरी से निकाल दिया। तब से हम बेरोजगार हैं। परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। हिरासत में लिए जाने से पहले प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात करके सरकार से पैरवी करने की मांग की।



एंबुलेंस ड्राइवरों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। 12 कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, पीड़ित परिवारों को न मुआवजा मिला और ना ही नौकरी। लेकिन काम लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए।

पिंडदान : अस्सी घाट पर पिंडदान किया, बोला- रोज सपने में आते थे, बहुत परेशान था

अमेरिका से चाचा की अस्थियां लेकर काशी पहुंचा जैक्सन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में पितरों का तर्पण करने हजारों लोग पहुंच रहे हैं। शनिवार को अमेरिका से जैक्सन अपने दिवंगत चाचा नेट की अस्थियां लेकर वाराणसी पहुंचे। यहां अस्सी घाट पर उन्होंने चाचा की आत्मा की शांति के लिए विधि-विधान से अस्थि विसर्जन और पिंडदान कराया।

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जैक्सन भावुक दिखे। उन्होंने बताया कि मैं बचपन से अपने चाचा नेट के साथ रहा हूं। मेरा अपने चाचा से गहरा जुड़ाव था। निधन के बाद भी मैं चाचा को याद करता रहता हूं। वह अक्सर रात में मेरे सपने में आते थे। चाचा के बार-बार दिखाई देने से मैं परेशान रहने लगा। मैंने इसका समाधान तलाशना शुरू किया। इसी दौरान मैंने काशी और यहां होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा एक वीडियो देखा। इसमें काशी की धार्मिक मान्यताओं और अस्थि विसर्जन-पिंडदान की जानकारी मिली। इसके बाद मैंने चाचा की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए खुद काशी आने का फैसला किया। शनिवार को जैक्सन चाचा की अस्थियां लेकर वाराणसी पहुंचे। अस्सी घाट पर तीर्थ पुरोहित



काशी में अपने पितरों का तर्पण करने हर रोज 50 हजार श्रद्धालु गंगा घाट और पिशाचमोचन कुंड पहुंच रहे हैं। 7 दिनों में अब तक करीब 3 लाख से अधिक लोग अपने पूर्वजों का तर्पण कर चुके हैं। इसमें विदेश से आने वाले लोग भी शामिल हैं।



अमेरिका से काशी आए जैक्सन ने अपने चाचा नेट की अस्थियां गंगा में विसर्जित कीं।

चाचा रोज सपने में आते थे, इसलिए मैं काशी आया

अमेरिका के मिशिगन प्रांत के रहने वाले जैक्सन ने बताया कि मैं एक रेस्टोरेंट में काम करता हूं। मैं अपने चाचा नेट के साथ रहता था। मेरे चाचा भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते थे। वह भारत के धार्मिक शहरों के बारे में रुचि रखते थे। काशी और मथुरा के प्रति उनकी आस्था थी। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनकी अस्थियों को मोक्षदायिनी गंगा में विसर्जित किया जाए।

3 साल पहले 50 साल की उम्र में उनकी डेथ हो गई। चाचा की मौत के बाद कुछ दिन तो सब सामान्य रहा। फिर वह हर रोज मेरे सपने में आने लगे। मुझे कुछ समझ नहीं आया। मैं परेशान रहने लगा। फिर एक दिन सोशल मीडिया पर मैंने काशी के कई वीडियो देखे। इसमें मुझे अस्थि विसर्जन-पिंडदान की जानकारी मिली। मैंने उसे यूट्यूब पर सर्च किया। इसके बाद मैं अमेरिका से फ्लाइट लेकर 2 अक्टूबर को इंडिया पहुंचा। इसके बाद काशी आया।

लूडो में हारने पर दोस्त को मार डाला

पेट-सीने पर ताबड़तोड़ कैंची मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में लूडो खेलते समय हुई लड़ाई में 32 साल के युवक की हत्या कर दी गई। दोस्त ने युवक के पेट और सीने में कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसे खून से लथपथ छोड़कर वहां से भाग गया। घटना की सूचना एक दुकानदार ने पुलिस को दी।

परिवार वाले खुद ऑटो से युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के मौसेरे भाई ने कहा कि पुलिस अगर समय से अस्पताल पहुंचाती तो भैया की जान बच जाती। वारदात अलीगंज में पुरनिया पुल के नीचे शनिवार शाम 6 बजे हुई।

पुलिस की जांच में सामने आया कि राहुल अपने साथी प्रदीप सिंह, बब्लू सिंह, पांडेय वकील और कुछ अन्य साथियों के साथ लूडो खेल रहा था। झगड़ा शुरू हो गया तो प्रदीप फुटपाथ की मालिश की दुकान से कैंची लेकर आ गया। उसने राहुल के सीने और पेट में कई जगह कैंची मारी। जब राहुल खून से लथपथ होकर गिर गया तो प्रदीप के साथ वहां से सभी युवक भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। हमलवार प्रदीप मड़ियांव पुल के पास मुर्गी फार्म के पास रहता है। जहां पर घटना हुई, वह पुल अलीगंज और मड़ियांव थाना क्षेत्र का बॉर्डर है।



भाई बोला- पुलिस ने एंबुलेंस तक नहीं बुलाई

प्रत्यक्षदर्शी बोले- शराब पी रहे थे दोनों दोस्त

प्रत्यक्षदर्शी सलीम ने बताया- कुछ युवक फ्लाईओवर के नीचे लूडो खेल रहे थे। इस दौरान वे शराब भी पी रहे थे। लूडो खेलने के बीच ही उनके बीच मारपीट होने लगी। झगड़ा कर रहे 3-4 लोग अचानक वहां से भाग गए। लेकिन,एक युवक बेसुध पड़ा रहा। सलीम के मुताबिक, वो और बाकी दुकानदार मौके पर दौड़कर पहुंचे। वहां देखा तो युवक खून से लथपथ पड़ा था। हम लोगो ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।

सपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की

चुनाव आयुक्त के पुतले को लेकर खींचतान, कई कार्यकर्ता हिरासत में

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन यूपी के कई शहरों में हुआ। सपा कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। कई जगह उनका पुतला भी फूंका गया। रायबरेली में सैकड़ों सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और नारेबाजी की। इसके बाद कार्यकर्ता डिग्री कॉलेज चौराहे स्थित शहीद चौक पहुंचे। यहां ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका गया। पुतला छीनने को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं में नोकझोंक हुई। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। प्रदर्शन में हरचंदपुर से सपा विधायक राहुल लोधी भी पहुंचे। हापुड़ में भी सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। इसके बाद ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। मुरादाबाद में कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से निकले और नारेबाजी की। कार्यकर्ता अंबेडकर पार्क से चार-पांच पुतले लेकर निकले। लेकिन, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सपाईयों ने जैसे ही पुतला जलाने की कोशिश की, पुलिस ने उसे छीन लिया। इस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। वाराणसी, अमरोहा, शामली, कानपुर, फतेहपुर और बिजनौर में भी प्रदर्शन हुआ। इन जिलों में सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।





- रायबरेली में सपा कार्यकर्ताओं से पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की। इस बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई।
- शामली में सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर पैदल मार्च निकाला।

66 अयोध्या में सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र को बचाना जरूरी है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिए वोट के अधिकार को सुरक्षित रखना है। संविधान की रक्षा भी जरूरी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 5 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में पैदल मार्च निकाला जाएगा।



2 से 8 अक्टूबर तक आंदोलन

सपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और इंडिया गठबंधन के निर्णय के तहत प्रदेशभर में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर से शुरू हुआ चरणबद्ध आंदोलन 8 अक्टूबर तक चलेगा। जिलाध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने की मांग भी की। प्रदर्शन में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं के अलावा सपा के जिला स्तरीय पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

सई नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

उन्नाव के बैलोरा गांव में हादसा, तेज बहाव की चपेट में आया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बैलोरा गांव में रविवार दोपहर सई नदी में नहाने गए 23 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। युवक को दोस्तों ने नदी से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, बैलोरा गांव निवासी 23 वर्षीय प्रवीण रविवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ सई नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान अचानक वह नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया और पानी में डूबने लगा। प्रवीण को डूबता देख उसके साथ नहा रहे दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की। काफी प्रयास के बाद उसे नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी हालत



गंभीर हो चुकी थी। दोस्तों और आसपास के लोगों ने प्रवीण को आनन-फानन जुनाबगंज स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना ग्राम प्रधान उमेश साहू ने पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही सोहरामऊ थाना प्रभारी अरविंद पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्रवीण पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में डीसीएम ने बाइक को मारी टक्कर

उन्नाव। उन्नाव माखी थाना क्षेत्र के रऊ चौराहे के पास शनिवार रात डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार 16 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहे उसके मामा भी घायल हो गए। दोनों अब्बासपुर से दहौली स्थित घर जा रहे थे। घटना की जानकारी रविवार दोपहर करीब 12 बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने दी। सफीपुर थाना क्षेत्र के दहौली गांव निवासी राम सेवक की 16 वर्षीय बेटी खुशी शनिवार रात अपने मामा के साथ बाइक से घर जा रही थी।

रिटायर्ड अधिकारी की हाईटेंशन लाइन से झुलसकर मौत

हरदोई। हरदोई में रविवार सुबह छत पर टहलने गए रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी रोशन लाल यादव (87) 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए।

गंभीर रूप से झुलसे रोशन लाल को परिजन मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने सुबह 8:32 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश है। मामला हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के सूरजपुर दुर्जना गांव का है।

सांड से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

हरदोई। हरदोई के मझिला थाना क्षेत्र में आलमनगर पुलिस चौकी के पास शनिवार देर शाम करीब 7 बजे आवारा सांड से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 27 वर्षीय मजदूर सर्वेश की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे उसके चचेरे भाई लालाराम को मामूली चोटें आईं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

पत्नी ने कारोबारी पति को गर्लफ्रेंड के साथ पकड़ा

100 मीटर दौड़ाता रहा, पति को बीच सड़क पीटा-कपड़े फाड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में पति को दूसरी महिला के साथ कार में देख पत्नी भड़क गई। पति कार लेकर भागा तो पत्नी बोनट पर लेट गई। इसके बावजूद उसने कार नहीं रोकी और करीब 100 मीटर तक पत्नी को बोनट पर लेकर दौड़ाता रहा। महिला 'मुझे बचा लो...' चिल्लाती रही। शोर सुनकर राहगीरों ने कार रोकने की कोशिश की। कार रुकते ही पत्नी ने पति को बीच सड़क पर पीटा और उसके कपड़े तक फाड़ दिए। वहीं, कार में बैठी दूसरी महिला मौके से फरार हो गई। हालांकि, बाद में पुलिस ने पति और प्रेमिका को हिरासत में ले लिया। घटना का वीडियो सामने आया है।



पुलिस ने आरोपी युवक और उसकी प्रेमिका को हिरासत में ले लिया है।

मामला शनिवार देर शाम लोहियान-गर थाना क्षेत्र का है। किठौर के हसनपुर कला निवासी मयंक एक महिला के साथ कार से जा रहा था। हापुड़ रोड स्थित एल-ब्लॉक चौकी के पास पत्नी की नजर कार पर पड़ गई। वह चिल्लाते हुए कार की ओर दौड़ी तो मयंक ने गाड़ी दौड़ा दी। पत्नी कार के बोनट पर चढ़ गई, लेकिन उसने कार नहीं रोकी और करीब 100 मीटर तक उसे बोनट पर लेकर दौड़ता रहा। पीछे बाइक से आ रहे लोगों ने शोर मचाकर कार रोकने की कोशिश की। करीब 100 मीटर आगे जाकर मयंक ने कार रोक दी। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दोनों पक्षों को थाने लेकर गई। पत्नी ने थाने में पति और प्रेमिका के खिलाफ जान से मारने की कोशिश का केस दर्ज कर लिया। इसी बीच किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। मयंक की शादी 12 साल पहले 2014 में हुई थी। दोनों को 2 बेटे हैं।

उन्नाव में कपड़ा व्यापारी पर हमला

2 दर्जन से ज्यादा युवकों ने घेरा, लाठी-डंडे लेकर पहुंचे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में रविवार दोपहर करीब 2 बजे मोतीनगर के मिडी पॉइंट पर कपड़ा व्यापारी राम तनेजा के साथ मारपीट का मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में युवक मौके पर पहुंचे और व्यापारी को घेर लिया। कुछ युवकों के हाथ में लाठी-डंडे भी थे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, राम तनेजा मिडी पॉइंट के पास मौजूद थे। इसी दौरान दो दर्जन से अधिक युवक वहां पहुंच गए। युवकों ने व्यापारी को घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ युवक लाठी-डंडे लेकर पहुंचे थे और मारपीट की कोशिश की गई। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने मामले को शांत कराने और व्यापारी को बचाने के लिए बीच-बचाव का





प्रयास किया। अचानक हुई घटना से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। कुछ देर बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में बड़ी संख्या में युवक एक व्यक्ति को घेरे नजर आ रहे हैं। कुछ युवकों के हाथ में डंडे भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राम तनेजा शहर के कपड़ा व्यापारियों में बताए जा रहे हैं। उनके साथ मारपीट की जानकारी के बाद व्यापारी वर्ग में भी हलचल मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि राम तनेजा शिकायत लेकर शहर कोतवाली पहुंच रहे हैं।

हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं

फिलहाल मारपीट की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच करेगी। घटना से जुड़े वायरल वीडियो और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांची जा सकती है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एंबुलेंस ट्रक में घुसी ■ डीएम के गले लग भतीजा फूट-फूटकर रोया

जवान का शव लेकर आ रहे इकलौते बेटे-भाई-भतीजे की मौत



तमसा संकेत, एजेंसी

पुलिस के मुताबिक, देवरिया के रुद्रपुर के रहने वाले सेना में सूबेदार मेजर सत्यवान मेरठ में तैनात थे। चंडीगढ़ में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। तीन दिन पहले पंचकुला में उनका निधन हो गया था। परिवार वाले उनका शव लेने पंचकुला पहुंचे।

अयोध्या/ सुल्तानपुर/देवरिया। सुल्तानपुर में जवान का शव लेकर जा रहे 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में जवान का इकलौता बेटा, भाई, रिश्ते का भतीजा और एंबुलेंस चालक शामिल हैं। 100 किमी की रफ्तार से जा रही एंबुलेंस एक्सप्रेस-वे के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। केबिन पूरी तरह पिचक गया। ड्राइवर का शव स्टेयरिंग में फंस गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एंबुलेंस काटी। फिर आगे की सीट पर बुरी तरह फंसे 2 शवों को बाहर निकाला। पीछे बैठे 2 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत



हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा रविवार सुबह 8:15 बजे अयोध्या बॉर्डर पर हलियापुर के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुआ। परिवार एंबुलेंस से सूबेदार सत्यवान का शव लेकर पंचकुला (चंडीगढ़) से देवरिया जा रहा था।

चंडीगढ़ में रहता था सैनिक सत्यवान सिंह का परिवार

सूबेदार मेजर सत्यवान सिंह की पत्नी सरोजिनी सिंह, बेटी दीक्षा और बेटा गौरव सिंह चंडीगढ़ में रहते थे। दीक्षा चंडीगढ़ से बीटेक कर रही है, जबकि बेटा गौरव सिंह NEET की तैयारी कर रहा था। सत्यवान के बड़े भाई राम समुझ सिंह पोस्टमैन थे। परिवार में उन्हें बड़े बाबू कहा जाता था। परिवार में उनकी पत्नी शीला देवी, 3 बेटे विवेक, विकास और विशाल हैं। राम समुझ के बड़े बेटे विवेक के साढ़ू राजन चौधरी रुद्रपुर के भरटोली वार्ड के सभासद थे। राजन के परिवार में पत्नी प्रतिभा और 1 साल की बेटी है।



एंबुलेंस के परखच्चे उड़े

वहीं, रविवार सुबह करीब 8:15 बजे अयोध्या-सुल्तानपुर बॉर्डर के पास हलियापुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एंबुलेंस खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा माइलस्टोन 79.6 किलोमीटर के पास हुआ।

टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए और उसका केबिन पूरी तरह पिचक गया।

आगे बैठे गौरव सिंह और एंबुलेंस ड्राइवर जसपाल का शव स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गाड़ी काटकर दोनों शवों को बाहर निकाला।

दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुल्तानपुर जिला अस्पताल भेजा गया।

बाराबंकी पुलिस ने 105 गुम मोबाइल फोन बरामद किए

कीमत 21 लाख रुपये, लोकेशन और इस्तेमाल की जानकारी जुटाई गई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन ढूंढने के अभियान में 105 फोन बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने इन मोबाइल को उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया है। यह कार्रवाई रविवार दोपहर 1 बजे सर्विलांस सेल और थानों की संयुक्त टीमों ने की। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विवेक तिवारी के नेतृत्व में तकनीकी जांच और ट्रैकिंग के जरिए इन फोनों को खोजा गया। पुलिस टीमों ने CEIR पोर्टल की मदद ली। गुम हुए मोबाइल फोन के IMEI नंबरों की तकनीकी जांच कर उनकी लोकेशन और इस्तेमाल की जानकारी जुटाई गई। इसके बाद अलग-अलग जगहों से फोन बरामद किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर





मालिकों के चेहरों पर खुशी दिखी। उन्होंने पुलिस की तारीफ की। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि फोन गुम या चोरी होने पर तुरंत थाने में शिकायत करें और CEIR पोर्टल पर भी जानकारी दें।

घटना : उन्नाव में मायके से वापस आने को तैयार नहीं थी, पति की हालत गंभीर, कानपुर रेफर

पत्नी से झगड़े के बाद पति ने खुद को जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में रविवार सुबह ससुराल में पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने परेशान होकर खुद को आग लगा ली। आग की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां युवक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मामला बारा थाना क्षेत्र के बाबू खेड़ा गांव का है। जानकारी के अनुसार, बाबू खेड़ा गांव निवासी सुंदरलाल का 26 वर्षीय बेटा रामसुमेर अपनी पत्नी सोनी को विदा कराने उसकी ससुराल अमानखेड़ा गया था। सोनी की



उम्र करीब 20 वर्ष बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ससुराल में पत्नी से किसी बात को लेकर रामसुमेर का विवाद हो गया।

विवाद के बाद युवक काफी परेशान हो गया और उसने खुद को आग लगा ली। युवक के खुद को आग लगाने की जानकारी मिलते ही ससुराल में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। गंभीर रूप से झुलसे रामसुमेर को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे कानपुर स्थित उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल युवक का इलाज जारी है और उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

100 बेड अस्पताल से उर्सला कानपुर रेफर

स्थानीय ग्रामीणों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत बारा सगवर थाना पुलिस और एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। झुलसी अवस्था में रामसुमेर को तत्काल बीघापुर स्थित 100 बेड वाले अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर के उर्सला अस्पताल भेज दिया, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच और अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

विवाद बढ़ने पर उठाया खौफनाक कदम

रविवार को भी रामसुमेर पत्नी को लेने ससुराल पहुँचा था। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आक्रोश और नाराजगी में आकर रामसुमेर ने संदिग्ध परिस्थितियों में खुद को आग लगा ली। युवक को आग की लपटों से घिरा देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

परिजनों में दिलीप और सुनील ने बताया कि सोनी पिछले कई महीनों से अपने मायके में ही रह रही थी। रामसुमेर इससे पहले भी कई बार पत्नी को लिवाने आया था, लेकिन वह वापस लौटने को तैयार नहीं हो रही थी।

हरदोई में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बांटी शिक्षण सामग्री

जरूरतमंद बच्चों को मिली मदद, संगठन की पहली वर्षगांठ पर पहल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, सुरसा ब्लॉक कार्यकारिणी के गठन का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर संगठन ने एक अनूठी पहल की। इस पावन अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों को पठन-पाठन से जुड़ी आवश्यक शिक्षण सामग्री वितरित की गई, ताकि उनकी शिक्षा में कोई बाधा न आए और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। यह कार्यक्रम रविवार की सुबह 9:30 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता 'निराला' ने कहा कि संगठन केवल शिक्षकों के हितों के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति भी पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने इस बात पर



जोर दिया कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जो बच्चों के सपनों को नई उड़ान और मजबूत आधार देती है। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी समाज और शिक्षा के हित में ऐसे सकारात्मक व प्रेरणादायक प्रयास निरंतर जारी रखे जाएंगे। इस सेवा कार्य के दौरान संगठन के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप त्रिवेदी, विनीत श्रीवास्तव, विनीत अग्निहोत्री, खुशबू श्रीवास्तव, रजनी सिंह, आदर्श, पीयूष त्रिवेदी, फरीद अंसारी, गर्वित पाल, विवेक कुमार, श्याम बाजपेयी, जितेंद्र मिश्रा, अजय कुमार, स्वदेश और मोहित त्रिपाठी समेत तमाम शिक्षकों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। रविवार की सुबह शुरू हुए इस कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी शिक्षकों ने बच्चों को शिक्षण सामग्री सौंपकर उनके उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएं कीं।

सम्पादकीय

घटिया खाद्य सामग्री



भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने जानी-मानी कंपनी नेस्ले के दूध से बने उत्पाद-डेरी व्हाइटनर के एक सैंपल को दोयम दर्जे का पाने के बाद जिस तरह उसकी बिक्री, वितरण और भंडारण पर रोक लगाई, उससे यही पता चलता है कि किस तरह नामी कंपनियां भी खाद्य एवं पेय पदार्थों के गुणवत्ता संबंधी मानकों की अनदेखी कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं।

इस मामले में इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि डेरी व्हाइटनर के सैंपल को दिल्ली के एक पांच सितारा होटल से लिया गया था। इसका अर्थ है कि नामी जगहों पर भी घटिया किस्म की खाने-पीने की सामग्री पहुंच रही है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि एफएसएसएआइ खाने-पीने की सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सजग और सक्रिय नहीं है। एक समस्या यह भी है कि राज्यों के खाद्य एवं औषधि विभाग भी घटिया एवं दोयम दर्जे के उत्पादों के निर्माण और बिक्री को लेकर अपेक्षित चौकसी का परिचय नहीं दे रहे। समझना कठिन है कि मिलावटी, घटिया और नकली उत्पादों के खिलाफ जैसी सख्ती महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि विभाग के आयुक्त तुकाराम मुंढे दिखा रहे हैं, वैसी अन्य राज्यों के उनके समकक्ष क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं?

हर राज्य में तुकाराम मुंढे जैसे खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रमुख भी चाहिए और इस विभाग के तहत काम करने वाले अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी। निःसंदेह ऐसा तब होगा, जब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण राज्यों को ऐसे निर्देश देगा कि उसके मानकों का कहीं पर भी उल्लंघन न होने पाए। ऐसे ही निर्देश केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ को भी देने होंगे, जिस पर दवाओं और मेडिकल उपकरणों की गुणवत्ता तय करने की जिम्मेदारी है।

इससे कोई अनभिज्ञ नहीं हो सकता कि जैसे आए दिन दोयम दर्जे की खाने-पीने की सामग्री बनती और बिकती हुई मिलती है, वैसे ही दवाएं भी। अपने देश में खाने-पीने की सामग्री के साथ औषधियों की गुणवत्ता के मानकों का पालन करने में इतनी अधिक लापरवाही बरती जा रही है कि ये उत्पाद घटिया किस्म के ही नहीं, बल्कि नकली भी बनते और बिकते हैं। चूंकि एफएसएसएआइ और सीडीएससीओ, दोनों ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आते हैं, इसलिए इस मंत्रालय को अपनी सुस्ती का परित्याग करना होगा। उसे यह देखना ही होगा कि देश में कहीं पर भी दोयम दर्जे की खाने-पीने की सामग्री और औषधियां न तो बनने पाएं और न ही बिकने। उसे संबंधित कंपनियों को भी चेताना होगा कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता करने से बाज आएं। यदि वे ऐसा नहीं करतीं, तो उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाने में संकोच नहीं किया जाए।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी





> आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए।

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-"शिक्षकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना।" यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है।आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदन-शील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है।महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये'-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकृ-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल 'गुरु' नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है। नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा।

ललित गर्ग

वृद्धावस्था जीवन

हमारे मन में यह जिज्ञासा आ सकती हैं कि क्या वृद्धावस्था का अर्थ केवल बच्चों पर आधारित जीवन होना चाहिए ? क्या आत्मनिर्भरता बुजुर्गों के सम्मान को बढ़ा सकती हैं ? क्या बुजुर्ग प्रसन्न रह सकते हैं ? क्या यह संभव हैं की भारतीय बुजुर्ग भी अपने निर्णय स्वयं लें, अपने कार्य स्वयं करें और बच्चों के साथ रिश्ता अधिकार का नहीं प्रेम का बनें आदि - आदि । कभी-कभी ऐसी खबरें हमको पढ़ने में आती हैं कि उम्रदराज़ लोगों ने उच्च शिक्षा में सफलता पा ली हैं । वह किसी ने उम्र को भुलाकर किसी विशेष हुनर में दक्षता प्राप्त कर ली। क्योंकि ये खबरें साधारण से हट कर होती हैं, सुनकर अचंभित कर देती हैं। पर विशेषज्ञ कहते हैं कि उम्र से सीखने का कोई संबंध नहीं, कोई एतराज नहीं हैं । मानसिक स्वस्थता व दृढ़ निश्चय ही इन सफलताओं का राज है। बल्कि वे कहते हैं कि नई-नई स्किल्स, सीखने की ललक दिमाग को युवा बनाए रखता है। अन्यथा निष्क्रिय मस्तिष्क डिमेन्शिया और अल्जाईमर जैसी बीमारियों का घर हो जाता है। उनके जीने का सार ही खो जाता है। इसके विपरीत किसी शौक की सक्रियता उनके जीवन को सही से आत्मविश्वास व आनन्द से भर देती है। अतः उम्रदराज़ों को यही नेक सलाह है कि कोई भी शौक अपनाएं निष्क्रियता पर रोक लगाएं । समस्या का मूल हैं निर्भरता और समाधान का मूल हैं गरिमामय स्वतंत्रता । वह जब माता- पिता आत्मनिर्भर होते हैं या कम से कम आत्मनिर्भर होने का प्रयास करते हैं तो रिश्तों में अधिकार की जगह सम्मान आता हैं , अपेक्षाओं की जगह सहजता और द्वेष की जगह स्नेह आता हैं । हमारे द्वारा इस जीवन को जीने का कोई लक्ष्य होना जरूरी हैं । वह बिना साध्य के जीना तो हमारी एक मजबूरी है । आदमी क्यों जीता है इसका उसे ज्ञान अवश्य होना चाहिए, किसके लिए जीता है इसका अनुमान भी अवश्य होना चाहिए । लक्ष्य हीन जीवन को जीना एक प्रकार का भार होता है और अच्छे उद्देश्य के साथ जीवन जीना परिष्कार तथा उपहार होता है । हमारे जीवन का हर क्षण सार्थक बने इसका हमें सही से भान हो । यह मानव जीवन मुश्किल से मिलता है इस सत्य का ज्ञान हो । पश्चिमी संस्कृति बुजुर्गों को यह कहती हैं कि अपना जीवन स्वयं से जियों । वह भारतीय संस्कृति कहती हैं कि तुम बच्चों के भरोसे रहों ।

› प्रदीप छाजेड़

गांव से जिला, जिला...

कुमार कृष्णन

हॉकी के स्वर्णिम दौर की दस्तक झारखंड से कुमार कृष्णन



कभी-कभी एक गोल केवल मैच नहीं जिताता। वह किसी खेल की स्मृति को भी जगा देता है। जापान के नागोया में 2 अक्टूबर 2026 को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हराकर एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता तो 44 साल पुरानी प्रतीक्षा खत्म हुई। 1982 के बाद पहली बार भारतीय महिला हॉकी एशियाई खेलों में फिर चैंपियन बनी। इस जीत के साथ 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक का सीधा टिकट भी मिला।

लेकिन इस स्वर्ण पदक की कहानी केवल नागोया के मैदान पर नहीं लिखी गई। इसकी कुछ पंक्तियां झारखंड के उन मैदानों पर भी लिखी गई हैं, जहां संसाधनों की कमी के बावजूद लड़कियां हॉकी स्टिक थामती हैं और मिट्टी, पसीने तथा सपनों के साथ खेलना सीखती हैं।

सिमडेगा में इस जीत के बाद हॉकी खिलाड़ियों ने आदिवासी गीतों पर नाचकर जश्न मनाया। यह केवल जीत का उत्सव नहीं था। यह उस मिट्टी का उत्सव था, जिसने भारतीय महिला हॉकी को बार-बार खिलाड़ी दिए हैं।

और इस स्वर्णिम कहानी के केंद्र में झारखंड की बेटी सलीमा टेटे हैं।

कप्तान के रूप में सलीमा ने जिस भारतीय टीम का नेतृत्व किया, उसमें झारखंड से जुड़ी कई प्रतिभाएं थीं। सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग जैसे नाम भारतीय महिला हॉकी की उस मजबूत कड़ी का हिस्सा हैं, जिसे झारखंड ने वर्षों में तैयार किया है। यह कोई अचानक घटित हुई घटना नहीं है। झारखंड की महिला हॉकी में वर्षों से तैयार हो रही प्रतिभाओं की एक लंबी सामाजिक और खेल-परंपरा इसके पीछे है। लेकिन इस ताकत को समझने के लिए खेल की चमक से थोड़ा बाहर निकलना होगा। सवाल यह नहीं है कि झारखंड ने कितनी खिलाड़ी दीं। बड़ा सवाल यह है कि इतनी प्रतिभाएं पैदा करने वाले राज्य को खेल के लिए बदले में क्या मिला? हॉकी झारखंड की महिला टीम की लगातार सफलताएं बताती हैं कि यहां प्रतिभा कोई आकस्मिक घटना नहीं है। अप्रैल 2026 में सब-जूनियर राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीतना इसकी मिसाल है। 2024, 2025 और 2026 की लगातार तीन राष्ट्रीय खिताबी सफलताएं जमीनी स्तर पर बन रही एक निरंतर खेल-परंपरा की ओर संकेत करती हैं। यहीं से हॉकी के स्वर्णिम दौर की असली दस्तक सुनाई देती है। लेकिन दस्तक और दरवाजा खुलने में फर्क होता है।

अगर झारखंड की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी में जगह बना रही हैं तो अब जरूरत केवल प्रतिभा खोजने की नहीं, प्रतिभा को लंबे समय तक संभालने की है।

गांव से जिला, जिला से राज्य और राज्य से राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने की राह में कितनी लड़कियां छूट जाती हैं, इसका कोई बड़ा सार्वजनिक हिसाब हमारे सामने नहीं है।

गरीबी, परिवार की आर्थिक स्थिति, शिक्षा और खेल के बीच संतुलन, प्रशिक्षण की निरंतरता, सुरक्षित आवागमन और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं तक पहुंच—ये सभी सवाल प्रतिभा के साथ चलते हैं।

किसी खिलाड़ी को केवल यह कह देना कि उसमें प्रतिभा है, पर्याप्त नहीं। प्रतिभा को मैदान चाहिए। कोच चाहिए। पोषण चाहिए। चिकित्सा सुविधा चाहिए। यात्रा की व्यवस्था चाहिए। और सबसे बढ़कर लगातार अवसर चाहिए। झारखंड की कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह भारतीय खेल व्यवस्था की एक बड़ी विडंबना को सामने लाती है।

देश में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा और अवसर के बीच की दूरी कम करने की। महानगरों में खेल सुविधाओं का विस्तार और दूरदराज के इलाकों में सीमित संसाधनों के बीच का अंतर कम किए बिना भारत विश्व खेल शक्ति बनने का सपना कितना पूरा कर पाएगा? महिला हॉकी की यह जीत इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। क्योंकि महिला खिलाड़ियों ने भारतीय खेल की उस पुरानी धारणा को भी चुनौती दी है, जिसमें खेलों में पुरुषों की सफलता को अधिक स्वाभाविक और महिलाओं की सफलता को असाधारण माना जाता रहा है।

प्रदेश सरकार...

मो0 इक़बाल खाँ

स्टार्टअप नीति-2026 में दिव्यांगजन ट्रांसजेंडर, महिला एवं कमजोर वर्गों हेतु विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था

उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक केंद्रों में से एक बनकर उभर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 'नई स्टार्टअप नीति 2026' ने प्रदेश के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव की नींव रखी है। यह नीति न केवल तकनीकी और व्यापारिक नवाचारों को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम कर रही है जो अब तक आर्थिक रूप से हाशिए पर थे। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना, क्षेत्रीय असमानता को समाप्त करना और पर्यावरण के अनुकूल सतत विकास को सुनिश्चित करना है। इस नीति के केंद्र में महिलाएं, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ई.डब्ल्यू.एस. के युवा उद्यमी शामिल हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में एक महत्वपूर्ण भागीदार माना गया है।

भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है और इस परिवर्तन में उत्तर प्रदेश ने भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के उद्देश्य से स्टार्टअप संस्कृति को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया है। इसी क्रम में लागू की गई उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 प्रदेश के आर्थिक विकास, नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा सामाजिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उ0प्र0 सरकार की स्टार्टअप नीति-2026 में विशेष प्रोत्साहन से दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनेंगे।

नई नीति का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह है कि इसमें पहली बार दिव्यांगजनों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर समुदाय तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। ऐसे उद्यमियों की किसी स्टार्टअप में न्यूनतम 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, तो उन्हें प्रोटोटाइप विकास तथा सीड कैपिटल पर मिलने वाली सहायता में 50 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके साथ ही सामान्य प्रोत्साहनों के अतिरिक्त 12.50 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उन्हें व्यवसाय की प्रारंभिक चुनौतियों का सामना करने में बड़ी सहायता मिलेगी। नई स्टार्टअप नीति-2026 का मूल उद्देश्य केवल स्टार्टअप की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को उद्यमिता से जोड़ना है। लंबे समय तक उद्यमिता मुख्यतः आर्थिक रूप से सक्षम लोगों तक सीमित रही, लेकिन अब सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि महिलाएं, दिव्यांगजन और ट्रांसजेंडर समुदाय भी समान अवसर प्राप्त करें।

प्रदेश सरकार की इस नीति के अन्तर्गत यह सहायता विशेष रूप से उन स्टार्टअप के लिए उपयोगी होगी जो सीमित संसाधनों के बावजूद नवीन तकनीक, सामाजिक समाधान अथवा स्थानीय समस्याओं के समाधान पर कार्य कर रहे हैं।

जरा हटके

इस इकाई में निर्मित...

डॉ0 सीमा गुप्ता

रामपुर में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना से संवरती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण आर्थिकी को सुदृढ़ करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के उद्देश्य से संचालित योजनाएं धरातल पर सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव की संवाहक बन रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं और अप्रत्याशित वित्तीय संकटों के उपरांत पुनर्वास तथा उद्यमशीलता को नया जीवन देने में 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा क्रियान्वित यह योजना ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के हुनरमंद उद्यमियों को संस्थागत वित्तीय संबल प्रदान कर स्वावलंबन के नए अवसर सृजित कर रही है।

जनपद रामपुर में इस योजना के सफल क्रियान्वयन ने आपदा के प्रभाव को मात देकर औद्योगिक आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। जनपद के उद्यमी नाजिम वर्ष 2022 तक 'वेस्टर्न ऑटो प्लास्टिक पार्ट्स' नाम से अपनी औद्योगिक इकाई का संचालन कर रहे थे। इस इकाई में दोपहिया वाहनों के वाइज़र, मडगार्ड तथा ऑटो पार्ट्स तैयार कर प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों को आपूर्ति किए जाते थे। वर्ष 2022 में जनपद रामपुर में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान इस प्लांट में पानी भर जाने से भारी नुकसान हुआ। पचास लाख रुपये से अधिक मूल्य की मशीनरी और कच्चा माल नष्ट होने से स्थापित उद्यम पूरी तरह ठप हो गया तथा संचित पूंजी समाप्त हो गई। इस अप्रत्याशित संकट के बाद उद्यमी ने भविष्य की तकनीकी आवश्यक-ताओं और पर्यावरण-अनुकूल प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण क्षेत्र में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया। पूंजी के गंभीर अभाव को दूर करने के लिए जिला प्रशासन और ग्रामोद्योग विभाग के मार्गदर्शन में 'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना' के अंतर्गत आवेदन किया गया। महिला सशक्तीकरण की नीति के अनुरूप उनकी पत्नी सादिया रईस के नाम से वित्तीय सहायता का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे संबंधित विभाग द्वारा त्वरित औपचा-रिकताएं पूर्ण कर स्वीकृति प्रदान की गई। बैंक के समन्वय से 9.5 लाख रुपये का संस्थागत ऋण स्वीकृत होने से इस ठप पड़े उद्यम को तत्काल राहत मिली। लाभार्थी परिवार ने अपनी शेष जमा-पूंजी और अन्य स्रोतों से संसाधन जुटाते हुए लगभग 1.25 करोड़ रुपये के कुल पूंजी निवेश से जनपद रामपुर में एक आधुनिक ई-रिक्शा विनिर्माण इकाई की स्थापना की। सरकारी स्तर से प्राप्त समयबद्ध वित्तीय सहायता ने उद्यमी को पुनः मुख्यधारा में स्थापित करने में आधारशिला का कार्य किया। जनपद रामपुर में स्थापित यह विनिर्माण इकाई केवल बाह्य कलपुर्जों के संयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां वाहनों का निर्माण आधारभूत स्तर से किया जाता है। संयंत्र में कच्चे लोहे की प्रोसेसिंग, मुख्य चेचिस निर्माण, बाह्य बॉडी की फैब्रिकेशन, वेल्डिंग, पैसेंजर सीट निर्माण, डेंटिंग-पेंटिंग तथा आंतरिक वायरिंग का संपूर्ण कार्य इन-हाउस तकनीकी दक्षता के साथ संपन्न किया जाता है। सुरक्षा और गुणवत्ता के कड़े मानकों को पूरा करते हुए इकाई का चेचिस नंबर विधिवत अनुमोदित है।

इस इकाई में निर्मित ई-रिक्शा को केंद्र सरकार के अधिकृत संस्थान इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी), गुरुग्राम से आवश्यक विनियामक और सुरक्षा मानकों का विधिवत प्रमाणन प्राप्त है। गुणवत्ता नियंत्रण और विनियामक अनुपालन के कारण स्थानीय बाजार में इस इकाई के उत्पादों की विश्वस-नीयता निरंतर बढ़ रही है। बाजार की मांग के अनुसार इस संयंत्र में प्रतिमाह 10 से 30 ई-रिक्शा का निर्माण किया जा रहा है। विगत एक वर्ष की अवधि में इकाई द्वारा संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) से विधिवत पंजीकृत 40 से अधिक ई-रिक्शा सफलतापू-र्वक सड़कों पर उतारे जा चुके हैं, जबकि 20 नई गाड़ियों की खेप आगामी आपूर्ति हेतु तैयार है। यह उपलब्धि जनपद रामपुर को स्वच्छ और हरित गतिशीलता के क्षेत्र में एक उभरते स्थानीय विनिर्माण केंद्र के रूप में अग्रसर करती है। इस उद्यम ने न केवल एक परिवार को आर्थिक स्थायित्व प्रदान किया है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका का बड़ा आधार भी तैयार किया है। इकाई से होने वाले लगभग ढाई से तीन लाख रुपये के वार्षिक शुद्ध लाभ से परिवार का सम्मानजनक भरण-पोषण सुनिश्चित हो रहा है। इसके साथ ही, चेचिस वेल्डिंग, सीट निर्माण, फैब्रिकेशन और वायरिंग जैसे तकनीकी कार्यों में रामपुर के 20 से 25 कुशल व अर्ध-कुशल कारीगरों को नियमित रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे कई ग्रामीण परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा मिल रही है। वित्तीय अनुशासन के मोर्चे पर भी इकाई का प्रदर्शन अनुकरणीय रहा है। उद्यमी द्वारा बैंक ऋण की मासिक किस्तों (ईएमआई) का शत-प्रतिशत समयबद्ध भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनका ऋण खाता पूरी तरह मानक बना हुआ है। अब यह इकाई अपने वर्तमान 5-सीटर (38 इंच) मॉडल से आगे बढ़कर 8-सीटर एल-5 श्रेणी (42 से 48 इंच चौड़ाई) के ई-वाहनों के निर्माण की दिशा में विस्तार की योजना पर कार्य कर रही है। आवश्यक विनियामक अनुमोदन और संयंत्र विस्तार के लिए अनुमानित 30 लाख रुपये की अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाले श्रम पलायन को रोकने में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की स्थापना हेतु अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर वाणिज्यिक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से सुलभ ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना का प्रमुख ध्येय पारंपरिक शिल्पों, स्थानीय संसाधनों और आधुनिक सूक्ष्म उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबी बनाना है। योजना की संरचना में सामाजिक समावेशिता और समता को शीर्ष प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमियों को नियमानु-सार पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध करायी जाती है, जबकि आरक्षित वर्गों-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग तथा सभी वर्गों की महिला उद्यमियों को विशेष वित्तीय सुरक्षा कवच प्रदान किया जाता है।

24779 मेगावाट की मांग पूरी, आंधी-बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर जुटीं यूपीपीसीएल की टीमें

योगी सरकार में बिजली आपूर्ति को मिली रफ्तार

मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में निर्बाध, सुलभ और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार लगातार विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। बढ़ती बिजली मांग के बीच सरकार की ओर से आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और उपभोक्ताओं को सुविधा-जनक विद्युत सेवाएं देने पर जोर दिया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत अनुरक्षण माह में प्रदेशभर में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। फील्ड टीमें विद्युत लाइनों और संबंधित ढांचे का आवश्यक रखरखाव कर रही हैं। बिजली लाइनों के संपर्क में आने वाली पेड़ों की डालियों की छंटाई, आसपास की साफ-सफाई और अन्य जरूरी कार्य किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य खराब मौसम के दौरान बिजली आपूर्ति में होने वाले व्यवधान को कम करना है। सरकार का जोर सिर्फ बिजली आपूर्ति बनाए रखने तक सीमित नहीं है। उपभोक्ताओं को बेहतर और संवेदनशील सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बिजली चोरी पर कार्रवाई के साथ उपभोक्ताओं को विभाग का विरोधी मानने के बजाय व्यवस्था का सहयोगी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि बिजली आपूर्ति प्रभावित होने पर उसकी सूचना तत्काल कॉल सेंटर पर दर्ज की जाए। उपभोक्ता को बिजली कटौती का कारण बताया जाए और आपूर्ति बहाल होने के बाद मैसेज के माध्यम से इसकी जानकारी दी जाए। सरकार की ओर से अनुरक्षण, त्वरित शिकायत निस्तारण और बेहतर निगरानी के जरिए प्रदेशवासियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।



24,779 मेगावाट की मांग के अनुरूप बिजली आपूर्ति

तीन अक्टूबर को प्रदेश में 24,779 मेगावाट की मांग के अनुरूप बिजली आपूर्ति की गई। इससे पहले दो अक्टूबर को 23,939 मेगावाट और एक अक्टूबर को 23,445 मेगावाट की मांग पूरी की गई थी। मांग के अनुरूप बिजली आपूर्ति के मामले में उत्तर प्रदेश तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों से आगे रहा। सितंबर के अंतिम सप्ताह में तेज आंधी-तूफान के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर विद्युत ब्रेकडाउन हुए थे। पूर्वांचल और मध्यांचल क्षेत्रों में 100 से अधिक 33 केवी सबस्टेशन और 500 से ज्यादा 11 केवी फीडर प्रभावित हुए। इसके बाद यूपीपी-सीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन-रात काम कर फाल्ट दूर किए। प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को तेजी से सामान्य करने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया गया।

फाल्ट से बहाली तक होगी निगरानी

निर्देश दिए गए हैं कि बिजली आपूर्ति प्रभावित होने पर उसकी सूचना तत्काल कॉल सेंटर पर दर्ज की जाए। उपभोक्ता को बिजली कटौती का कारण बताया जाए और आपूर्ति बहाल होने के बाद मैसेज के माध्यम से इसकी जानकारी दी जाए। सरकार की ओर से अनुरक्षण, त्वरित शिकायत निस्तारण और बेहतर निगरानी के जरिए प्रदेशवासियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

- सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में अनुरक्षण कार्य तेज
- उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली के साथ बेहतर सेवा देने पर योगी सरकार का जोर।

गोरखपुर में पिस्टल के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

कई राज्यों में फैला है नेटवर्क, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से खरीदते हैं असलहा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में पुलिस ने रविवार को 3 असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से एक कट्टा, पिस्टल समेत गोलियां और मैगजीन भी बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग है। दो तस्करों की पहचान कैंट थाना क्षेत्र के डिबिया निवासी अफजल खान और दिव्यनगर रानीडीहा के मोहम्मद शमी के रूप में हुई। पुलिस ने इनके खिलाफ खोराबार थाने में केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में जानकारी मिली कि तस्कर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से असलहा खरीदकर पूर्वांचल में बेचते हैं। जिससे कई बड़ी घटनाओं को अंजाम भी दिया गया है। सीओ कैंट अरूण कुमार एस ने व्हाइट हाउस में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि ये दोनों उसी बड़े गैंग के सदस्य हैं, जिसके अब तक 16 सदस्यों को



पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। STF गोरखपुर और एंटी थेफ्ट टीम ने पहले ही 5 तस्करों को 4 पिस्टल के साथ पकड़ा था। पूछताछ में पता चला कि 15 सितंबर 2026 को कप्तानगंज कुशीनगर से 25 हजार का इनामी मोहम्मद आसिफ पिस्टल के साथ पकड़ा गया था। इसके अलावा 17 मार्च 2026 को चिलुआताल में राज कुमार चौहान की गोली और चाकू मारकर हुई हत्या में इस्तेमाल 2 पिस्टल भी इसी गैंग ने सप्लाई की थीं। उस केस में मनीष यादव और सचिन यादव को गिरफ्तार किया गया था।

फास्ट न्यूज

राम मंदिर की तर्ज पर नाका हनुमानगढ़ी बनेगा

अयोध्या। अयोध्या के 14 कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित नाका हनुमानगढ़ी मंदिर का अब भव्य पुनर्निर्माण होगा। मंदिर को राम मंदिर की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी है। प्रस्तावित मंदिर 51 फीट से अधिक ऊंचा होगा और इसका निर्माण मकराना मार्बल से किया जाएगा। मंदिर के महंत रामदास के मुताबिक, नाका हनुमानगढ़ी से ही 14 कोसी परिक्रमा शुरू होती है।

संभल में मदरसे में निर्माण को लेकर विवाद

संभल। संभल में मदरसे में निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि मदरसे में मस्जिद के रूप में निर्माण कराया जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। मामले में मुस्लिम पक्ष के पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। रविवार को सभी का शांतिभंग की आशंका में चालान कर उपजिला मजिस्ट्रेट न्यायालय भेज दिया गया। फिलहाल मदरसे/मस्जिद के आसपास दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। मामला संभल तहसील के ऐंचौड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के कुतुबपुर सक्ता गांव का है। गांव के पूर्व प्रधान रविंद्र कुमार ने बताया कि चामुंडा मंदिर और मदरसे की छत की मरम्मत को लेकर दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बनी थी।

कासगंज में त्योहारों की तैयारियों पर शांति समिति की बैठक

कासगंज। कासगंज में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए रविवार दोपहर 3 बजे तहसील में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, व्यापार मंडल के पदाधिकारी और इलाके के लोग शामिल हुए। बैठक में नवरात्रि, रामलीला, राम बारात, अग्रसेन जयंती और दशहरा जैसे त्योहारों की तैयारियों पर चर्चा हुई।

पितृपक्ष की नवमी पर बृज की रसोई ने जरूरतमंदों को कराया निःशुल्क भोजन

कर्मकांड से आगे बढ़कर मानवसेवा को बनाया पितृ स्मरण का माध्यम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पितृपक्ष की नवमी तिथि पर पितरों की स्मृति एवं उनके आशीर्वाद की कामना के साथ इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई की ओर से आशियाना में जरूरतमंदों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। बाबा नीम करौली को प्रेरणास्रोत मानकर आयोजित इस सेवा अभियान में बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों और जरूर-तमंद परिवारों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन ग्रहण किया।

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि सभी पदाधिकारियों और सेवा सहयोगियों ने श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ भोजन वितरण में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि पितरों की सच्ची स्मृति केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि



जरूरतमंदों के जीवन में संवेदना, सहयोग और अपनत्व पहुंचाना भी इसका महत्वपूर्ण माध्यम है।

सेवा सहयोगी शैलेश बाजपेई ने कहा कि बृज की रसोई का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सम्मान के साथ पौष्टिक भोजन पहुंचाना है। आनंद मिश्रा ने कहा कि मानवसेवा के माध्यम से पितृ स्मरण को सार्थक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और श्रमिकों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने निःशुल्क भोजन ग्रहण किया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ बृज की रसोई लगातार सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रही है। जरूरतमंद के लिए भोजन की एक थाली केवल अन्न नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व और उम्मीद का संदेश भी है। सेवा अभियान के सफल संचालन में जालिम सिंह, रामकुमार दोहारे, शैलेश बाजपेई, संजय श्रीवास्तव, बलवंत सिंह, आशीष श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा, दीपक भुटियानी, विकास पाण्डेय, अनुराग दुबे, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की आर्थिक सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य पर भी योगी सरकार का फोकस

आश्रय से आयुष्मान तक बुजुर्गों की मददगार बनी योगी सरकार

- 75 वृद्धाश्रमों में 6,607 बुजुर्गों को मिला आश्रय, पात्र महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन से भी जोड़ा
- 2,551 बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड का सुरक्षा कवच, 4,901 को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ

योजना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए सुरक्षित आश्रय के साथ इलाज की सुविधा तक पहुंच भी महत्वपूर्ण है। योगी सरकार में इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए समाज कल्याण विभाग वृद्धाश्रमों में रहने वाले पात्र बुजुर्गों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ रहा है। प्रदेश के 75 वृद्धाश्रमों में 6,607 बुजुर्ग निवास कर रहे हैं, जिनमें से पात्र 2,551 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 में 1,073 नए बुजुर्गों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया है।

सरकार की पहल का उद्देश्य वृद्धजनों को केवल रहने की सुविधा तक सीमित न रखकर उनकी सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाना है। इसके तहत स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ आर्थिक सुरक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में 4,901 पात्र वृद्धजनों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है। वहीं पात्र महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना से भी जोड़ा जा रहा है।

सम्मानजनक जीवन सरकार की प्राथमिकता

समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने कहा कि वृद्धजनों को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उनका कहना है कि वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों को केवल आश्रय नहीं, बल्कि आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा भी मिले, इसके लिए विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

योजनाओं तक पहुंच आसान बनाने की कवायद

समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से पात्र बुजुर्गों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। उपलब्ध कराने के लिए भी विभागीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 में 1,073 नए बुजुर्गों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया है।

इलाज के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा

आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र वृद्धाश्रम निवासियों को स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में लाने पर विभाग का जोर है। इसके लिए पात्र बुजुर्गों को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ाई जा रही है।

स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 4,901 पात्र बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। इससे वृद्धाश्रमों में रहने वाले पात्र बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा का अतिरिक्त सहारा मिल रहा है।

भारतीय सेना से रिटायर हुईं कर्नल सीमा सिंह

स्थायी कमीशन की कानूनी लड़ाई लड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। यूपी के प्रयागराज की रहने वाली कर्नल सीमा सिंह 1 अक्टूबर 2026 को सैन्य जीवन को अलविदा कह दिया। सैन्य सफर की एक खास बात उनका वह संघर्ष भी रहा, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2006 में हुई थी। कर्नल सीमा सिंह के मुताबिक, उनका यह संघर्ष कभी भी भारतीय सेना या अपने साथी अधिकारियों के खिलाफ नहीं था। कर्नल सीमा सिंह का उद्देश्य उन नीतियों और व्यवस्थाओं में बदलाव की मांग करना था, जिनकी वजह से महिला अधिकारियों को अपने पुरुष समकक्षों के मुकाबले भेदभाव और असमान अवसरों का सामना करना पड़ता था। उनका मानना था कि महिला अधिकारियों को उनकी योग्यता और क्षमता के आधार पर समान अवसर मिलना चाहिए,



क्योंकि काबिलियत जेंडर की मोहताज नहीं होती। यही सोच उनके लंबे कानूनी संघर्ष का आधार बनी और आगे चलकर महिला अधिकारियों के लिए स्थायी कमीशन तथा कमान से जुड़े अवसरों की बहस में भी महत्वपूर्ण संदर्भ बनी। भारतीय सेना में वर्षों तक सेवा देने के बाद कर्नल सीमा सिंह ने उनकी विदाई केवल एक सैन्य अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्ति नहीं है, बल्कि यह उस लंबे सफर का पड़ाव भी है।

योगी सरकार में यूपी के निर्यात को लगे पंख, कालीन उद्योग बना वैश्विक पहचान

प्रदेश का निर्यात 10 वर्ष में ढाई गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा

- 2017 के बाद 2.4 गुना बढ़ा निर्यात मूल्य, भदोही-मिर्जापुर-वाराणसी क्लस्टर की देश-दुनिया में धाक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को निर्यात के मोर्चे पर नई रफ्तार मिली है। प्रदेश का निर्यात अब पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, खाद्य-डेयरी और अन्य क्षेत्रों के उत्पादों ने भी वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाई है। इसी बदलती तस्वीर में पूर्वांचल का कालीन उद्योग भी यूपी की निर्यात पहचान को दुनिया के बाजार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। भदोही में आयोजित 50वां इंडिया कारपेट एक्सपो इस वैश्विक पहचान का बड़ा मंच बनकर सामने आया है। प्रदेश के

कारपेट एक्सपो मार्ट से वैश्विक बाजार तक पहुंच

भदोही में 7.5 एकड़ में विकसित कारपेट एक्सपो मार्ट का उद्घाटन दिसंबर 2020 में किया गया था। इस अत्याधुनिक मंच ने कालीन कारोबार को वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। इसी कड़ी में 4 से 7 अक्टूबर 2026 तक भदोही में 50वां इंडिया कारपेट एक्सपो आयोजित हो रहा है। इस एक्सपो में लगभग 250 एग्जीबिटर्स और 65 देशों के 450 से अधिक विदेशी बायर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें ब्रिक्स देशों के 106 बायर्स भी हैं। ऐसे में भदोही के कालीनों के रंग और हुनर को एक बार फिर दुनिया के बाजार में नई चमक मिलने जा रही है।

करीब पांच लाख श्रमिक, कारीगर और बुनकर जुड़े

कालीन उद्योग सिर्फ निर्यात का आंकड़ा नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका का आधार भी है। भदोही के कालीन उद्योग से करीब पांच लाख श्रमिक, कारीगर और बुनकर जुड़े हैं। हस्तनिर्मित कालीन के क्षेत्र में भारत दुनिया के प्रमुख निर्यातकों में शामिल है और भदोही की पहचान इस वैश्विक कारोबार में खास है। ओडीओपी योजना, टूलकिट वितरण, मुद्रा लोन, आधुनिक लूम और सोलर लूम की व्यवस्था ने स्थानीय कारीगरों/बुनकरों की आय और कार्य परिस्थितियों में बड़ा सुधार किया है। बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटी है और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन से युवाओं का पलायन रुका है।

बदली यूपी की एक्सपोर्ट बास्केट

2012-17 के दौरान प्रदेश की निर्यात टोकरी में मात्र चमड़ा, हस्तशिल्प, कालीन-दरी की प्रमुख हिस्सेदारी थी। अब तस्वीर अधिक विविध हो चुकी है। वित्त वर्ष 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स 24 प्रतिशत, इंजीनियरिंग 20 प्रतिशत और खाद्य-डेयरी 11 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रमुख निर्यात क्षेत्रों में शामिल हैं। इससे यूपी के निर्यात आधार के विस्तार का भी पता चलता है। 2017 से पहले यूपी के पारंपरिक हस्तशिल्प को कोई वैश्विक ब्रांडिंग या संगठित बाजार नहीं मिलता था, जबकि आज देश के हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट में यूपी का हिस्सेदारी 16.56 फीसदी है। 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) और निर्यात प्रोत्साहन नीति के बाद हस्तशिल्प और संबंधित पारंपरिक उत्पादों का निर्यात दोगुने से अधिक स्तर पर पहुंच चुका है। बेहतर कनेक्टिविटी (पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, जेवर एयरपोर्ट), निर्बाध बिजली, और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में शीर्ष रैंकिंग ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है उत्तर प्रदेश आज सिर्फ पारंपरिक हस्तशिल्प ही नहीं, बल्कि मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस कॉरिडोर और टेक्सटाइल का प्रमुख राष्ट्रीय केंद्र बन चुका है।

निर्यात में बीते वर्षों में आए बदलाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2016-17 में यूपी का निर्यात 84,283 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,01,241 करोड़ रुपये पहुंच गया। यानी निर्यात मूल्य में करीब ढाई गुना वृद्धि दर्ज हुई।

दवा एमआरपी : अस्पताल फार्मेसियों की जांच में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े, ₹74.09 में खरीदा इंजेक्शन

अस्पतालों की फॉर्मेसी में दवाओं की कीमतों में हो रहा बड़ा खेल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अस्पतालों में उपलब्ध दवाओं की खरीद दर और पैक पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। ड्रग सेफ्टी के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (यूपीएफएसडीए) द्वारा मेडिकल कॉलेजों और निजी अस्पतालों की फार्मेसियों का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान, इन फार्मेसियों में उपलब्ध दवाओं की खरीद दर और एमआरपी का भी तुलनात्मक अध्ययन किया गया। प्रदेशभर की 214 अस्पताल फार्मेसियों से जुटाए गए आंकड़ों में 130 दवाओं का विश्लेषण किया गया, जिनमें 36 दवाएं ऐसी हैं, जिनकी एमआरपी फार्मेसी की खरीद कीमत से 10 गुने से भी कहीं अधिक है। कुछ दवाओं में यह अंतर करीब 67 गुने तक दर्ज किया गया। खास बात यह है कि इनमें गंभीर संक्रमण, आईसीयू और अन्य जटिल चिकित्सकीय स्थितियों में इस्तेमाल होने वाली कई इंजेक्टेबल दवाएं भी शामिल हैं। अध्ययन में गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण में इस्तेमाल होने वाले Polymyxin-B Injection (GUFIPOL 500,000 Unit) की फार्मेसी खरीद दर सिर्फ 74.09 दर्ज की गई, जबकि पैक पर एमआरपी 4,980.94 थी। यानी एमआरपी खरीद कीमत के मुकाबले करीब 67 गुना थी। इसी दवा के GUFIPOL 5 Lac की खरीद कीमत 90 और एमआरपी 4,528.10 दर्ज की गई। इस मामले में एमआरपी खरीद दर के मुकाबले करीब 50 गुना अधिक पाई गई। इस तरह एक ही दवा के अलग-अलग ब्रांड/पैक में भी खरीद कीमत और एमआरपी के बीच उल्लेखनीय अंतर सामने आया है। लिवर की गंभीर बीमारी से जुड़ी कुछ चिकित्सकीय स्थितियों में इस्तेमाल होने वाले Terlipressin Injection (Terlitech 10 ml) की खरीद कीमत अध्ययन में 56 दर्ज की गई, जबकि इसकी एमआरपी 3,050 थी। इस तरह एमआरपी खरीद कीमत के मुकाबले करीब 54 गुना अधिक रही। इसी दवा के एक अन्य ब्रांड TERONIM 10 ML की खरीद कीमत 56 और एमआरपी 2,600 दर्ज की गई।

- यूपीएफएसडीए द्वारा अस्पतालों की 214 फार्मेसियों की जांच के बाद दवाओं की खरीद और बिक्री कीमतों में मिला बड़ा अंतर
- 130 दवाओं में 36 की एमआरपी खरीद कीमत से 10 गुने से भी अधिक, कुछ मामलों में अंतर 67 गुने तक
- आईसीयू और गंभीर संक्रमण में इस्तेमाल होने वाली कई इंजेक्टेबल दवाओं में भी खरीद दर और एमआरपी के बीच बड़ा अंतर

यहां खरीद कीमत और एमआरपी के बीच करीब 46 गुने का अंतर पाया गया। दवा-प्रतिरोधी गंभीर संक्रमणों के उपचार में इस्तेमाल होने वाले शक्तिशाली एंटीबायोटिक भी अध्ययन में शामिल हैं। Colistimethate Sodium 4.5 MIU की खरीद कीमत 210 दर्ज हुई, जबकि इसकी एमआरपी 9,702.31 थी। यानी एमआरपी खरीद कीमत के मुकाबले करीब 46 गुना थी। इसी तरह Tigecycline Injection 50 mg की खरीद कीमत 154.54 के मुकाबले एमआरपी 7,110.47 दर्ज हुई। यहां भी एमआरपी और खरीद दर के बीच करीब 46 गुने का अंतर सामने आया। जांच में सामने आए ये आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये दवाएं सामान्य ओटीसी दवाओं की श्रेणी की नहीं, बल्कि गंभीर और जटिल संक्रमणों के इलाज में अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं हैं। अध्ययन में एक ही दवा के अलग-अलग ब्रांड के आंकड़ों की भी तुलना की गई।

टायर फैक्ट्री में भीषण आग, 5 किमी दूर से दिखीं लपटें

धुएं से सांस लेना मुश्किल, फिरोजाबाद में आसपास के घर खाली कराए

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में टायर से ऑयल निकालने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। टायर और ऑयल की वजह से 30-40 फीट लपटें उठने लगीं। धुएं का गुबार करीब 5 किमी दूर तक दिखाई देने लगा। कुछ ही पलों में आग बेकाबू हो गई। फैक्ट्री में काम कर रहे 30 लोग भागकर बाहर आए। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आसपास का इलाका खाली कराया। धुएं की वजह से सांस लेना मुश्किल हो गया। फायर फाइटर्स ने मास्क लगाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। पुलिस ने आसपास के इलाके में बैरिकेडिंग कर दी। आग को फैलने से रोकने के लिए 3 जेसीबी की मदद से फैक्ट्री परिसर



और आसपास रखे टायरों को हटाया गया। करीब ढाई घंटे बाद फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से 60 टन टायर जलकर राख हो गया। अभी नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। हादसा रविवार दोपहर करीब 3 बजे उरमुरा किरार गांव में हुआ। फैक्ट्री में बड़ी संख्या में पुराने टायर और ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई। मौके पर शिकोहाबाद फायर ब्रिगेड प्रभारी के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी सत्येंद्र पांडे पहुंचे। फिलहाल आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। अभी नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस फैक्ट्री में साल 2025 में भी इसी तरह भीषण आग लग चुकी है। इसके बावजूद दोबारा आग लगने की घटना ने फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर उरमुरा किरार गांव में एसबीएल नाम से 5 साल से टायर फैक्ट्री है। इसके मालिक वृंदावन के रहने वाले बासु अग्रवाल हैं। शिकोहाबाद गांव से करीब 600 मीटर की दूर 5 बीघा जमीन में फैक्ट्री बनी है। रविवार को आग सबसे पहले टीन के नीचे बने हिस्से में लगी।

रिहाई के बाद जुलूस निकाला, पुलिस से नोकझोंक, भगत सिंह की फोटो लेकर पहुंचे समर्थक

सीईसी के घर कालिख पोतने वाले कांग्रेसी जेल से बाहर

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पैतृक निवास पर कालिख पोतने के मामले में जेल भेजे गए कांग्रेसियों की रविवार को रिहाई हो गई। जेल से बाहर आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तकरार की स्थिति भी बनी। शनिवार को CJM अदालत में मामले की सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने धारा 307 के आरोप को निराधार मानते हुए इसे हटाने



का आदेश दिया। इसके बाद सभी 6 अभियुक्तों की जमानत मंजूर कर ली गई। रविवार सुबह कांग्रेस नेताओं को जिला जेल से रिहा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जेल के बाहर पहुंच गए थे। बाहर आते ही कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं को फूल मालाएं पहनाईं। दरअसल, 28 सितंबर को विजय नगर स्थित ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के बाहर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान घर की दीवार और मुख्य गेट पर कालिख पोत दी। स्प्रे से 'वोट चोर' और 'गद्दार' लिखा। पुलिस ने हरीपर्वत थाने में अनिल यादव प्रदेश महासचिव (संगठन) आजमगढ़ एवं मुकेश धनगर, जिलाध्यक्ष कांग्रेस मथुरा तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ एफआई-आर दर्ज की। सभी पर दंगा, रास्ता रोकने, गृह अतिचार और अन्य धाराओं के साथ धारा 307 में केस दर्ज कर किया था। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके



साथियों के जेल से रिहा होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी में नारे लगाए।

नारेबाजी करते हुए निकाला जुलूस

रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस लेकर आगे बढ़े। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे थे। जुलूस को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाकर स्थिति सामान्य कराने की कोशिश की। हालांकि नारेबाजी के बीच माहौल गर्म हो गया और कुछ देर तक पुलिस तथा कांग्रेसियों के बीच बहस और धक्का-मुक्की जैसे हालात बने रहे।

बाद सभी को जेल भेज दिया गया था। जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के साथ शहीद स्मारक पहुंचे। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रखी और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया।



28 सितंबर को प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के आवास पर कालिख पोत दी थी।

प्रदर्शन के दौरान गेट पर लिखा था 'वोट चोर'

कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पैतृक आवास पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान उनके आवास पर कालिख पोत दी गई थी और गेट पर 'वोट चोर' लिख दिया गया था। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सभी को जेल भेज दिया गया था। जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के साथ शहीद स्मारक पहुंचे। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रखी और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

2 महीने के बच्चे के साथ संदिग्ध महिला पकड़ी

ऑपरेशन मुस्कान में जीआरपी ने बच्चे को बचाया

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर दो माह के बच्चे को लेकर ट्रेन का इंतजार कर रही एक महिला को शनिवार शाम जीआरपी ने संदिग्ध परिस्थितियों में गिरफ्तार कर लिया। महिला बच्चे के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सकी। पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद कर बाल कल्याण समिति के सुपुर्द कर दिया है। अब पुलिस बच्चे के परिजनों और उसे महिला को सौंपने वाली अज्ञात महिला की तलाश में जुटी है। जीआरपी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के अनुसार ऑपरेशन मुस्कान के तहत मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर एक महिला दो माह के बच्चे को लेकर ट्रेन का इंतजार करती दिखाई दी। महिला की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर



पुलिस टीम ने उससे पूछताछ शुरू की। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मालती (काल्पनिक नाम) और निवासी भवानी मंडी, जिला झालावाड़, राजस्थान बताया। पुलिस ने जब महिला से बच्चे के बारे में जानकारी मांगी तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। महिला ने बताया कि उसकी कोई संतान नहीं है और यह बच्चा उसे किसी अज्ञात महिला ने दिया है। हालांकि, वह न तो उस महिला का नाम-पता बता सकी और न ही बच्चे को सौंपे जाने की परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट जानकारी दे पाई।

फास्ट न्यूज

महिला के अश्लील फोटो खींचे फिर ब्लैकमेल कर रेप किया

आगरा। आगरा में अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से रेप करने के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। आरोपी ने पीड़िता के विवाह से पहले बने संबंधों का फायदा उठाकर उसे ब्लैकमेल किया और कई बार दुराचार किया।

मुरादाबाद में एमडीए की बोर्ड बैठक 6 अक्टूबर को

मुरादाबाद। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (MDA) शहर में नई टाउनशिप विकसित करने की तैयारी में है। 6 अक्टूबर को होने वाली बोर्ड बैठक में गोविंदपुरम-2 टाउनशिप के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। मंजूरी मिलने के बाद योजना लॉन्च की जाएगी। इसमें करीब 250 आवासीय भूखंड विकसित किए जाने हैं। योजना शुरू होने के बाद भूखंडों के आकार, कीमत और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की जानकारी जारी की जाएगी। इसके बाद लोग अपनी पसंद के भूखंड के लिए आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड बैठक में MDA के विस्तारित क्षेत्रों में विकास कार्यों और जरूरी सुविधाओं को बेहतर करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी।

अलीगढ़ में आज से ट्रैफिक डायवर्जन

अलीगढ़। शहर में रविवार से रामलीला का मंचन शुरू होगा। इसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने शहर में डायवर्जन लागू कर दिया है। अचलताल के सामने रामलीला मैदान में होने वाले आयोजन के दौरान यहां भीड़ बढ़ेगी। ऐसे में भारी वाहनों को इस रास्ते से नहीं जाने दिया जाएगा। रामलीला के दौरान दुबे पड़ाव चौराहे से अचलताल, छर्रा पुल होते हुए एटा चुंगी तक भारी वाहन नहीं जा सकेंगे।

एमआईटी में मनाई गई गांधी जयंती, स्वच्छता अभियान से दिया स्वच्छता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन उन्नत भारत अभियान के तहत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और अनुशासन के आदर्शों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. संजय माथुर,चीफ प्रॉक्टर प्रेम किशोर गौतम और डीन मैनेजमेंट डॉ. अंकुर गोयल के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. संजय माथुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी के राष्ट्र निर्माण में योगदान और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सत्य, अहिंसा,



स्वच्छता और अनुशासन जैसे गांधीवादी विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। विद्यार्थियों से इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

चीफ प्रॉक्टर प्रेम किशोर गौतम ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गांधीजी के विचारों, संघर्षों और देश की आजादी में उनके योगदान की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को गांधीजी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें विद्यार्थियों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुमित राणा के पर्यवेक्षण में हुआ। आदित्य गोयल, हॉस्टल केयरटेकर नागेंद्र, निर्जेश समेत 100 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

क्षेत्र में बने 30 प्रवेश द्वार, दो जगह झूले और 6 स्थानों पर सजेंगी झांकियां

जनकपुरी महोत्सव में आकार लेने लगा जनक महल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। जनकपुरी महोत्सव में भगवान श्रीराम और माता जानकी के स्वागत के लिए भावना एस्टेट रोड पर जनक महल आकार लेने लगा है। नेपाल के महल की तर्ज पर बन रहे इस महल में जोधपुर की स्थापत्य कला और आधुनिक रोशनी का संगम दिखेगा। कोलकाता से लाइटें मंगाई गई हैं और वहीं के कारीगर महल को अंतिम रूप दे रहे हैं। महोत्सव क्षेत्र में 25 से 30 प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। दो जगह झूले लगाने की तैयारी है, जबकि 6 स्थानों पर मुख्य झांकियां सजाई जाएंगी। इस बार आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। जनक महल का मुख्य मंच करीब 300 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और 60 फीट ऊंचा होगा। इसे कैंटिलीवर



तकनीक से बिना पिलर के बनाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को दूर से भी भगवान के दर्शन करने में परेशानी न हो। मंच पर विशेष फोकस लाइट की व्यवस्था रहेगी। निर्माण में करीब 6000 बल्ब और 3000 आयरन ट्रस का इस्तेमाल किया जा रहा है। लकड़ी, कपड़े और रोड आयरन से महल की संरचना तैयार हो रही है।

62 कारीगर दिन-रात जुटे, रात में जगमगाएगा महल

महल के झरोखों और बालकनी में जोधपुर की स्थापत्य शैली की झलक दिखाई देगी। कोलकाता और बंगाल से आए करीब 62 कारीगर नक्काशी, सजावट और लाइटिंग का काम कर रहे हैं। रात में विशेष रोशनी से पूरा परिसर जगमगाएगा। महल के आसपास आतिशबाजी की भी विशेष तैयारी की जा रही है, जो इस बार महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगी।

2000 श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था

जनक महल परिसर में करीब 2000 श्रद्धालुओं के बैठने और दर्शन की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा 600 लोगों के लिए अलग वीआईपी गैलरी बनेगी, जहां सोफे पर बैठने की सुविधा होगी। प्रशासनिक अधिकारियों, मजिस्ट्रेट, मंत्री, मीडिया, श्रीरामलीला कमेटी और जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति के लिए सात अलग-अलग ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। परिसर और आसपास 40 से अधिक एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी, जिन पर मंचीय कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण होगा। क्षेत्र में दो जगह पर झूले और 6 जगह पर झांकियां सजाई जाएंगी जिसमें मुख्य झांकी भगवान श्री राम की बहन शांता की झांकी रहेगी।

> **जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष राजू यादव के अनुसार, महल और आसपास के क्षेत्र को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को रास्ते से ही उत्सव का माहौल महसूस हो। 6 अक्टूबर को माता सीता का डोला नगर भ्रमण करेगा। इसके बाद 7, 8 और 9 अक्टूबर को जनक महल में श्रद्धालुओं को भगवान के दिव्य स्वरूपों के दर्शन होंगे।**

8 अक्टूबर तक बैठकें, जनसंपर्क और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च होंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी की ओर से दो से आठ अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च आयोजित किया जाएगा। पार्टी के अनुसार, यह अभियान इंडिया गठबंधन की 30 सितंबर को नई दिल्ली में हुई बैठक के निर्णय और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चलाया जा रहा है।

जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि अभियान के तहत जिला और विधानसभा स्तर पर बैठकें, जनसंपर्क और मार्च आयोजित किए जाएंगे। निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची और मताधिकार से जुड़े विषयों पर लोगों को जागरूक करने के साथ पार्टी अपना पक्ष जनता के सामने रखेगी। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लेकर पार्टी की आपत्तियां व मांगें भी अभियान में उठाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों में पार्टी के जिला,



महानगर, विधानसभा, ब्लॉक और बूथ स्तर के पदाधिकारियों के साथ प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के नेता शामिल होंगे।

प्रेसवार्ता में प्रदीप चौधरी, विजेंद्र सिंह, डॉ. राजेश पाल, गगन रावत, ओम प्रकाश, अभिषेक यादव, नजर कुरैशी, सोनू ठाकुर, संतोष यादव, नाजिम अब्बासी, राजेंद्र सिकरवार, वीरेंद्र सिंह छोकर, संदीप अहेरिया, किसन सिंह, सचिन पहलवान, रणवीर सिंह भरंगर, केएल शर्मा, हरदीप चौधरी, बंटी चौहान, ठाकुर पोहप सिंह, चेतन सोलंकी, शिव सिंह धनगर, शिवकुमार चौधरी, मयंक यादव, यतेंद्र सिंह और लक्ष्मण कुमार मौजूद रहे।

भाजपा नेता के फॉर्म हाउस से कर्मचारी लापता

भतीजे ने नेता समेत 5 पर दर्ज कराई एफआईआर, यमुना किनारे मिले मोबाइल-कपड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के एत्माद्दौला थाना क्षेत्र के फाउंड्री नगर स्थित शोभा नगर में भाजपा नेता रामवीर सिसौदिया के फार्म हाउस से उनका कर्मचारी राजवीर शर्मा लापता हो गया। मध्य प्रदेश के भिंड निवासी राजवीर पिछले करीब 19 साल से फार्म हाउस पर काम कर रहे थे। उनके लापता होने के मामले में भतीजे जितेंद्र शर्मा ने अनहोनी की आशंका जताते हुए भाजपा नेता समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच के साथ राजवीर की तलाश में जुटी है। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की और उन्हें वहां से भगा दिया।

इसके बाद जितेंद्र ने पुलिस से शिकायत कर अपने चाचा के साथ अनहोनी की आशंका जताई। लापता कर्मचारी के भतीजे जितेंद्र



शर्मा ने आरोप लगाया है कि रामवीर सिसौदिया ने उनके चाचा को कहीं गायब कर दिया है।

उन्होंने राजवीर के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने जितेंद्र की तहरीर के आधार पर रामवीर सिसौदिया समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस राजवीर की तलाश करने के साथ ही फार्म हाउस, यमुना किनारे मिले सामान और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

> **जितेंद्र शर्मा के मुताबिक, उनकी मां का 28 जून को निधन हो गया था। इसके बाद वह अपने चाचा राजवीर शर्मा से फोन पर संपर्क कर उन्हें घर आने के लिए कह रहे थे। जितेंद्र का कहना है कि बातचीत के दौरान राजवीर ने बताया था कि फार्म हाउस पर मौजूद लोग छुट्टी देंगे, तभी वह घर आ सकेंगे। जितेंद्र के अनुसार, फोन पर बातचीत के दौरान उनके चाचा काफी परेशान लग रहे थे। मां की त्रयोदशी में भी राजवीर घर नहीं पहुंचे। इसके बाद परिवार के लोगों ने उनसे कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन पर बात नहीं हो सकी।**

1 अक्टूबर को निकले, फिर नहीं लौटे

जितेंद्र के मुताबिक, 2 अक्टूबर को रामवीर सिसौदिया ने फोन कर बताया कि राजवीर 1 अक्टूबर को घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटे। जानकारी मिलने के बाद परिवार और रिश्तेदारों ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान राजवीर का मोबाइल फोन और कुछ कपड़े यमुना किनारे मिलने की बात सामने आई। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई।

भतीजे ने पांच लोगों पर लगाए आरोप

जितेंद्र शर्मा का आरोप है कि इसके बाद वह रिश्तेदारों के साथ रामवीर सिसौदिया के घर पहुंचे। वहां रामवीर के भाई बृजमोहन सिसौदिया, बेटे आशू सिसौदिया, कर्मचारी प्रेमशंकर और मनोज बघेल मौजूद थे। जितेंद्र के मुताबिक, इन लोगों से राजवीर के बारे में जानकारी मांगी गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

केरलम सरकार का...

2006 में ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग (PWD) के सचिव (सेक्रेटरी) थे। इंजीनियर की आत्महत्याः इसी प्रोजेक्ट के दौरान एक मलेशियाई सिविल इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली थी। शुरुआती जांचः उस समय केरलम के 'विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो' (VACB) ने इस मामले को लेकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक शुरुआती जांच की थी, लेकिन जांच पूरा नहीं हुई फाइलें फिर से खुलींः केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने 2006 के उस पुराने मामले और इंजीनियर की आत्महत्या से जुड़ी फाइलें फिर से तलब कर ली हैं। नई विजिलेंस जांच के आदेशः गृह मंत्री ने वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस मामले में फिर से विजिलेंस जांच के आदेश दे दिए हैं। CEC ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोगा SIR को लेकर भी सवालों के घेरे में हैं। इंडियन एक्सप्रेदस की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। दावा है कि कई फैसले और आदेश संधू और जोशी की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद से विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर को कहा कि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे। दीपके ने लिखा- अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। CEC ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर SIR को लेकर सवालों खड़े हुए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। दावा है कि कई फैसले और आदेश संधू और जोशी की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद से विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर को कहा कि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे। दीपके ने लिखा- अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

ज्ञानेश कुमार के...

वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी विरोध मार्च निकाल चुकी हैं। CEC ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर SIR को लेकर सवालों खड़े हुए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। दावा है कि कई फैसले और आदेश संधू और जोशी की जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए। इसके बाद से विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए देशभर में प्रदर्शन कर रहा है। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर को कहा कि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे। दीपके ने लिखा- अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

विभाजनकारी ताकतों...

खिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रमुख डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती को एक नहीं, बल्कि दो-दो अवतारों को जन्म देने का सौभाग्य मिला है। यह उज्ज्वल गुरुदेव की जन्मभूमि और तपोभूमि रही है। काशी, प्रयाग, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या और अमरकंटक जैसे महान तीर्थों को धारण करने वाली यह भूमि ज्ञान, सूर्य भक्ति और पराक्रम की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज जिस विषय ने हम सभी को यहां खींचकर लाया है, उसका समाधान किए बिना भारत के स्वर्णिम भविष्य की रचना संभव नहीं है। आज के समय को वह देवासुर संग्राम की तरह देखते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि आज के असुर बाहर नहीं, बल्कि व्यक्ति के अंतरमन में मौजूद हैं। रावण या दुर्योधन से मिलने के लिए लंका या कुरुक्षेत्र जाने की जरूरत नहीं है। मनुष्य के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, स्वार्थ, संकीर्णता और क्षुद्रता के रूप में रावण के दसों चेहरे दिखाई देते हैं। व्यक्ति गिरते-गिरते इतना गिर गया है कि अपनी ही नजरों में गिर गया है। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षक समाज की चेतना होते हैं, युगनिर्माता होता है। जब शिक्षक जब जागृत होता है,अपने दायित्वों को ईमानदारी से निर्वहन करता है,तो भारत को विश्वगुरु बनने में देर नही लगेगी। भारत के श्रेष्ठ आचार्यों की परंपरा ने तक्षशिला, नालंदा जैसे विश्वविद्यालय दिये, गुरुकुलों की ही देन चाणक्य और चंद्रगुप्त थे। भारत के ऋषि परम्परा,गुरुकुल की ही देन महर्षि वशिष्ठ, श्रीराम, महर्षि संदीपन, कृष्ण इसी गुरुकुल से निकले। जब दुनिया अंधकार में थी तो हमारे यहां नालंदा तक्षशिला विश्वविद्यालय थे। योगी ने कहा कि आजादी की शताब्दी तक विकसित भारत का लक्ष्य सामने है। इसके लिए गुलामी की मानसिकता छोड़नी होगी, विरासत पर गर्व करना होगा, सामाजिक समता के लिए काम करना होगा और नागरिक कर्तव्यों को समझना होगा। हर व्यक्ति अधिकार से ज्यादा कर्तव्य को महत्व देने लगे तो भारत को दुनिया की कोई ताकत आंख नहीं दिखा सकती। उन्होंने कहा कि 'इदम न मम' की भावना से आगे बढ़कर 'इदम राष्ट्राय स्वाहा' का भाव अपनाना होगा। जो कुछ भी हमारे पास है, उसे राष्ट्र के प्रति समर्पित करने की भावना रखनी होगी। 2047 में आजादी की शताब्दी का वर्ष देश के लिए गौरव का अवसर होगा। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से अपील की कि कार्यशाला में मिलने वाले मार्गदर्शन को निश्चित समय-सीमा में जमीन पर उतारें। युवा पीढ़ी को सही दिशा देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने में शिक्षक अपनी भूमिका निभाएं। योग का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को दुनिया के करीब 190 देशों में योग दिवस मनाया जाता है। यह भारत की ऋषि परंपरा के प्रति दुनिया की कृतज्ञता है। भारत को अपनी विरासत पर गर्व करते हुए दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार होना होगा। योगी ने कहा कि नदियों का प्रदूषण आज बड़ी चुनौती है। स्वार्थ के कारण नदी संस्कृति को नुकसान पहुंचा है। नदियां जीवंत नहीं रहेंगी तो जीवन के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि नदियों की भूमिका शरीर में धमनियों जैसी है। उन्हें अविरल और निर्मल बनाना होगा। उन्होंने एक सूख चुकी नदी को दोबारा जीवित करने का उदाहरण देते हुए कहा कि सैटेलाइट मैपिंग के बाद नदी की खुदाई कराई गई।

बारिश के बाद वहां दोबारा जलधारा बहने लगी। यह पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव है। न्होंने कहा कि 'इदम न मम' की भावना से आगे बढ़कर 'इदम राष्ट्राय स्वाहा' का भाव अपनाना होगा। जो कुछ भी हमारे पास है, उसे राष्ट्र के प्रति समर्पित करने की भावना रखनी होगी। 2047 में आजादी की शताब्दी का वर्ष देश के लिए गौरव का अवसर होगा। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से अपील की कि कार्यशाला में मिलने वाले मार्गदर्शन को निश्चित समय-सीमा में जमीन पर उतारें। युवा पीढ़ी को सही दिशा देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने में शिक्षक अपनी भूमिका निभाएं।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

अभियान एशियन गेम्स में 4 गोल्ड ज्यादा जीते, शूटिंग-एथलेटिक्स में इस बार 9 स्वर्ण का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं।

उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया।

भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला।

बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है। पिछली बार भारत को इन दोनों खेलों में एक भी गोल्ड नहीं मिला था। इस बार बॉक्सिंग में 3 और रेसलिंग में 2 गोल्ड आए हैं। आर्चरी में भारत ने पिछले प्रदर्शन को दोहराया है। चीन ने इस बार 169 गोल्ड सहित 341 मेडल जीते हैं। नंबर-2 पर रहे जापान ने 83 गोल्ड जीते हैं। चीन से आधे से भी कम। चीन 1982 से अब तक हर एशियन गेम्स में टेबल टॉपर रहा है। भारत ने पोजीशन के लिहाज से पिछले एशियन गेम्स के प्रदर्शन की बराबरी की है। लेकिन, इस बार 7 गोल्ड सहित कुल 21 मेडल की कमी आई है। इस एशियन गेम्स में अलग-अलग इवेंट्स में कुल 53 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 76 एशियन रिकॉर्ड टूटे हैं। साथ ही 166 नए गेम्स रिकॉर्ड भी बने। भारतीय विमेंस कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन के खिलाफ 238 पॉइंट्स बनाए। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी है।



2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल

भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

> टीम इवेंट्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के गोल्ड मेडल जीते हैं। हॉकी में एशियाड गोल्ड जीतने पर सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलता है, लिहाजा भारत की दोनों हॉकी टीम लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर गई है। यह पहला मौका है जब भारत की दोनों वर्गों की हॉकी टीमों ने एक ही इवेंट में गोल्ड जीता है।



चिकाथा तनिपार्थी, प्रथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की तिकड़ी ने चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड जीता।

बार्टुनकोवा ने 6-4, 6-3 से हराया, रायबाकिना के बाद दूसरी टॉप सीड बाहर

सबालेंका चाइना ओपन के तीसरे राउंड में हारीं





नई दिल्ली। चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गईं। चेकिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी निकोला बार्टुनकोवा ने उन्हें सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया।

मुकाबला डेढ़ घंटे से थोड़ा ज्यादा चला। इसके साथ ही बीजिंग में खेले जा रहे WTA-1000 टूर्नामेंट में दोनों टॉप सीड खिलाड़ी पहले ही हफ्ते में बाहर हो गईं। नंबर-1 एलेना रायबाकिना शनिवार को हारकर बाहर हुई थीं।

28 साल की बेलारूसी खिलाड़ी का बीजिंग में संघर्ष जारी रहा। वे चाइना ओपन में कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले महीने US ओपन में भी उन्हें एलेना रायबाकिना ने हराया था। इस हार के साथ सबालेंका का चाइना ओपन में एक और निराशाजनक अभियान खत्म हो गया।

सबालेंका को हराने के बाद बार्टुनकोवा अब ऑस्ट्रिया की 24 साल की सिंजा क्रॉस से खेलेंगी। क्रॉस ने तीसरे राउंड के मुकाबले में यूक्रेन की दायाना यास्त्रेम्स्का को 6-1, 6-4 से हराया। बार्टुनकोवा के लिए यह जीत खास है, क्योंकि उन्होंने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को सीधे सेटों में हराया। वे अब टूर्नामेंट के अगले दौर में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेंगी। मेंस कैटेगरी में टॉप सीड और US ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव का क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच से मुकाबला होगा। यह मैच रविवार को खेला जाएगा। ज्वेरेव ने US ओपन का खिताब जीतने के बाद चाइना ओपन में अपना अभियान जारी रखा है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर, वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रनचेज

350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा।

भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था। रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है। विराट कोहली को वनडे में पहली गेंद पर आउट करने वाले जेडन सील्स चौथे गेंदबाज बन गए। इस लिस्ट में 3 वेस्टइंडीज के प्लेयर हैं। गुरनूर बरार ने इस सीरीज की 3 वनडे पारियों में 253 रन दिए। वे लगातार 3 वनडे मैचों में सबसे ज्यादा रन देने वाले गेंदबाज बन गए हैं।



सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित

रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की।

रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।

> भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी।

भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए

भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे।

भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।

मनोरंजन

अनु अग्रवाल हादसे के बाद 29 दिन कोमा में थीं, महिमा चौधरी के चेहरे से निकाले गए थे कांच के टुकड़े

नुसरत भरूचा की सर्जरी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। वह काम और छुट्टियों से जुड़े दौरे पर बाली गई थीं। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। जिसके बाद आगे की सर्जरी के लिए उन्हें मुंबई लाने का फैसला किया गया। इसके लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। 2 अक्टूबर 2026 को वह एयर एंबुलेंस से मुंबई पहुंचीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई एक्ट्रेस हादसों में घायल हो चुकी हैं।

हादसे के बाद एक्ट्रेस अन्नू अग्रवाल की याददाश्त चली गई थी। तो वहीं महिमा चौधरी के चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले गए थे। होश में आने के बाद उनका आधा शरीर पैरालिसिस (लकवा) का शिकार हो चुका था और याददाश्त चले जाने के कारण वह अपनी पुरानी जिंदगी और पहचान तक भूल चुकी थीं। मेरा सीधा हाथ पूरा पैरालाइज्ड था, मैं खुद खाना भी नहीं खा पाती थी। एक्सीडेंट के 7 साल बाद तक ये हुआ। मेरे कई एक्सीडेंट हुए थे। मेरा उल्टा हाथ, पैसिव था। राइट हैंड काम करता था। जब सीधा हाथ पैरालाइज हुआ, तो मैं चेक भी साइन नहीं कर पाती थी। मेरे कई चेक बाउंस हो गए। खाना उल्टे हाथ से कैसे खाना है, चम्मच इधर-उधर जाता। सुबह नाइट सूट का नाड़ा खोलने के लिए आपको दो हाथ चाहिए, एक हाथ से नाड़ा नहीं खुलता था। किस तरह मैं टूथब्रश पकड़ती। पेस्ट बार-बार फिसलता। एक हाथ से ये सब करती थी।



महिमा चौधरी ने 'परदेस', 'दिल क्या करे', 'धड़कन' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महिमा चौधरी का कार एक्सीडेंट हुआ था

फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस महिमा चौधरी का 1999 में बेंगलुरु में गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था। उस वक्त वह अजय देवगन और काजोल की फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग कर रही थीं। स्टूडियो जाते समय उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसा इतना गंभीर था कि कार का कांच टूटकर महिमा के चेहरे में जा धंसा। महिमा ने साल 2020 में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में बताया था कि मुझे लगा कि मैं मर रही हूं। मैं अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय किसी ने मुझे उठाया तक नहीं और अस्पताल नहीं ले गया। अस्पताल पहुंचने के काफी देर बाद मेरी मां आईं और अजय देवगन भी वहां पहुंचे। जब वे किसी से बात करने गए, तब मैं उठी और मैंने शीशे में अपना चेहरा देखा। मुझे लगा कि वे इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं। मैंने कहा, चलो। कुछ नहीं हुआ, मैं ठीक हूं।'

अनु अग्रवाल का गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था

1990 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आशिकी' से रातों-रात मशहूर हुईं अभिनेत्री अनु अग्रवाल के साथ साल 1999 में दर्दनाक हादसा हुआ था। मुंबई में एक लेट-नाइट पार्टी से लौटते समय अनु अग्रवाल की कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था।

इस हादसे में उनके शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हुए, उनका चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ और सिर व दिमाग में अंदरूनी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद वह 29 दिनों तक कोमा में रहीं।





अनु अग्रवाल ने 'आशिकी' के अलावा 'किंग अंकल', 'खल-नायिका' जैसी फिल्मों में काम किया है।

शूटिंग के दौरान तनीषा मुखर्जी की कार खाई में गिरी थी

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी की पहली हिंदी फिल्म 'Sssshhh...' की शूटिंग के दौरान 2003 में हादसा हुआ था।

विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में तनीषा ने बताया था कि वह फिल्म की शूटिंग के लिए मनाली में थीं। उनके साथ अभिनेता डिनो मोरिया, गौरव कपूर और फिल्म के निर्देशक पवन एस. कौल भी कार में मौजूद थे। रास्ते में कार बर्फ की वजह से फिसली और खाई में जा गिरी।

हेमा मालिनी भी हुई थीं भीषण सड़क हादसे का शिकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद हेमा मालिनी भी साल 2015 में एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हुई थीं। यह दुर्घटना 2 जुलाई 2015 को राजस्थान के दौसा के पास आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे-11 पर हुई थी। हादसे में हेमा मालिनी घायल हुई थीं, जबकि दूसरी कार में सवार मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। हेमा मालिनी अपनी मर्सिडीज कार से मथुरा से जयपुर जा रही थीं। इसी दौरान उनकी कार की सामने से आ रही ऑल्टो कार से टक्कर हो गई। ऑल्टो में एक परिवार सवार था। हादसे में ऑल्टो कार में सवार 2 साल की बच्ची चिन्नी की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के अन्य सदस्य घायल हुए थे। वहीं हेमा मालिनी को भी गंभीर चोटें आई थीं।

वेटरन साउथ फिल्ममेकर का निधन

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर सिंगीतम श्रीनिवास राव को लेकर बुरी खबर सामने आ रही है। 95 साल के उम्र में वेटरन फिल्ममेकर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से सिंगीतम साहब बढ़ती उम्र की समस्याओं से जूझ रहे थे और इसी कारण उनका निधन हुआ है। कमल हासन से लेकर जूनियर एनटीआर समेत तमाम फिल्म हस्तियों ने निर्देशक के देहांत पर शोक जताया है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। करीब 6 दशकों तक फिल्म इंडस्ट्री में राज करने वाले सिंगीतम श्रीनिवास राव का जन्म 21 सितंबर, 1931 को हुआ था। 1950 में बतौर सहायक निर्देशक अपने करियर का आगाज करने वाले सिंगीतम ने बतौर फिल्ममेकर, स्क्रीनप्ले राइटल और म्यूजिक कंपोजर साउथ सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

दूरदर्शन का कल्ट शो जिसने बच्चों को दिखाई 'जादुई दुनिया'

गुलजार ने किया था डायरेक्ट राम लीला से है कनेक्शन

नई दिल्ली। दूरदर्शन (Doordarshan) ने हमें कई पॉपुलर टीवी सीरियल दिए हैं जिन्हें 90s के बच्चे आज भी मिस करते हैं। हर कोई दरदर्शन की आर्काइव या फिर यूट्यूब पर इन्हें खोजता रहता है। रामायण (Ramayana), महाभारत (Mahabharat), चंद्रकांता (Chandrakanta), विक्रम बेताल (Vikram Betaal) जैसे टीवी सीरियलों को हर कोई जानता है लेकिन 35 साल पहले दूरदर्शन पर एक शो ऐसा भी आया था जिसे गुलजार (Gulzar) ने डायरेक्ट किया था। बच्चों को ये शो काफी पसंद था और पूरा परिवार उस समय टीवी सेट के आगे आकर बच्चा बन जाता था। हम बात कर रहे हैं साल 1991 में आए डी डी नेशनल के शो पोटली बाबा (Potli Baba Ki) की। ये शो खास तौर पर एक पपेट शो था जिसमें पारंपरिक कठपुतलियों का इस्तेमाल किया गया था। प्रसिद्ध कठपुतली कलाकार दादी पुदुमजी के 'इशारा पपेट थिएटर ट्रस्ट' ने इसे तैयार किया था। महान कवि और गीतकार गुलजार इसके लेखक, निर्माता और निर्देशक थे।

इसके कुल 20 एपिसोड टीवी पर प्रसारित हुए थे। कहानी में 'बाबा' नाम का एक बूढ़ा व्यक्ति घूंघर गांव में रहता है।



पति की हिंदी सुनकर हैरान हुईं रश्मिका मंदाना

विजय देवरकोंडा ने कहा- 'अनिवार्य कारण', तो बोलीं- 'बेबी, ये कहां से आ रहा है?'

नई दिल्ली। पति विजय देवरकोंडा की हिंदी सुनकर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हैरान रह गईं। एक इंटरव्यू के दौरान विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया तो यह सुनकर रश्मिका ने कहा कि ये कहां से आ रहा है।

दरअसल, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पत्रकार शुभंकर मिश्रा को इंटरव्यू दिया। इसमें दोनों ने हिंदी में बातचीत की। इस दौरान अपनी बात कहते हुए विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया।

विजय के हिंदी के शब्द सुनकर रश्मिका हैरान रह गईं और बोलीं, "अनिवार्य कारण... माय गॉड, बेबी! ये कहां से आ रहा है?"

इस पर विजय ने जवाब दिया कि यह उनकी हिंदी क्लास और CBSE में पहली से दसवीं तक की पढ़ाई से आ रहा है। विजय की बात सुनकर रश्मिका ने कहा, "ओह माय गॉड, ये कितने साल पहले की बात है?" विजय ने आगे बताया कि उनके अंदर से अचानक यह शब्द निकल आया। इस पर रश्मिका हंसते हुए बोलीं कि यह तो उनके अंदर से ओवरफ्लो हो रहा है और उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा कि यह कहां से आ रहा है।



गौरतलब है कि रश्मिका ने हाल ही में अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की थी।

दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह किसी एक भाषा में ही माहिर नहीं हैं। उनका करियर अ ल ग - अ ल ग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से खुद को ढालने का रहा है।

नेतन्याहू ने भारतीय पायलट को फोन किया, पीएम मोदी के साथ मशाल जलाने का न्योता दिया

हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी : स्मित

बयान

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं।

नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था।



इजराइली PM के आधिकारिक X अकाउंट से नेतन्याहू का कैप्टन स्मित से फोन पर बात करते वीडियो जारी किया गया है।

स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। इससे पहले PM मोदी ने

ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया

घटना 30 सितंबर की है। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुंचकर आरोपी को काबू किया और विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। विमान की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें सवार सभी 174 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए।

2 सितंबर को कैप्टन स्मित से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। बातचीत के दौरान स्मित ने कहा- मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया। UAE सरकार ने शनिवार को बताया कि ओमान के को-पायलट

इजराइल में स्वतंत्रता दिवस पर 12 मशालें जलाने की परंपरा

इजराइल का स्वतंत्रता दिवस योम हा'अत्जमाउत कहलाता है। यह हिब्रू कैलेंडर के 5 इयार को मनाया जाता है। इसलिए ग्रेगोरियन कैलेंडर में इसकी तारीख हर साल बदलती रहती है। 2027 में स्वतंत्रता दिवस 12 मई को होगा। इसका समारोह 11 मई की शाम से शुरू होगा। इसी दौरान यरुशलम के माउंट हर्जल पर मशाल जलाने का खास समारोह आयोजित किया जाता है। यह समारोह योम हजिकारोन यानी सैनिकों और आतंकवादी हमलों में मारे गए लोगों के स्मृति दिवस के खत्म होने और स्वतंत्रता दिवस की शुरुआत का प्रतीक है। समारोह में 12 मशालें एक-एक करके जलाई जाती हैं। ये इजराइल की 12 प्राचीन जनजातियों का प्रतीक मानी जाती हैं। देश के लिए खास योगदान देने वाले लोगों को मशाल जलाने का सम्मान दिया जाता है। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, सैनिक, कलाकार और शहीद सैनिकों के परिवारों से जुड़े लोग शामिल हो सकते हैं।

हमाम अल-हमामी ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर



सऊदी में विमान के लैंड होने के बाद कैप्टन स्मित को इलाज के लिए ले जाया गया।

पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इससे पहले विमान में मौजूद यात्रियों की शुरुआती जानकारी में चाकू से हमला किए जाने की बात सामने आई थी।

फास्ट न्यूज

हादसे का शिकार हुई एयर एम्बुलेंस

न्यूयॉर्क । अमेरिका के मैसाचुसेट्स के नैनटकेट तट के पास एक एयर एम्बुलेंस का मलबा मिला है। यह एयर एम्बुलेंस शनिवार को बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान अटलांटिक महासागर के ऊपर गायब हो गई थी। इसमें छह लोग सवार थे। यह जानकारी अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा कि इसमें चार कनाडाई और दो बरमूडा के नागरिक सवार थे। खोज जारी रहने के दौरान उनके करीबी रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया था।

शहबाज सरकार और इमरान की पार्टी की बातचीत विफल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और शहबाज शरीफ सरकार के बीच बातचीत विफल हो गई है। इसके बाद पीटीआई ने इस्लामाबाद की ओर अपना लॉन्ग मार्च जारी रखने का फैसला किया है। इससे पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। सरकार ने भी प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश नहीं देने की बात कही है। सड़कों पर कंटेनर लगाने और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाने की तैयारी की गई है।

हाथ में कुल्हाड़ी, क्रैश कराने की तैयारी

दुबई। फ्लाईदुबई विमान में बुधवार को पायलट केबिन में जो घटनाक्रम हुआ, उसमें भारतीय पायलट- स्मित मच्छार की बहादुरी की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। स्मित ने जिस तरह फ्लाइट के को-पायलट की ओर से अपने ऊपर हुए हमलों के बावजूद विमान को गिरने से बचाया और समय रहते केबिन का दरवाजा खोल दिया, उसे चमत्कार माना जा रहा है। इसी घटनाक्रम ने विमान के साथ किसी अनहोनी को रोक दिया।

हसीना को पनाह देना मजबूरी थी : भारतीय हाई कमिश्नर

तख्तापलट के बाद 2 साल से भारत में पूर्व पीएम

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को पनाह देना भारत की मजबूरी थी। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी।

यह बात बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने बे ऑफ बंगाल कन्वर्सेशन कार्यक्रम में शनिवार को कही है।

एक छात्र ने त्रिवेदी से पूछा कि हमारे लोगों की हत्या करने वाली शेख हसीना कब हमारे मुल्क वापस लायी जाएंगी?

जवाब में त्रिवेदी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया जारी है। हसीना को बांग्लादेश कब भेजा जाएगा, इसकी समयसीमा नहीं बताई जा सकती।

सत्ता से हटने के बाद वे 5 अगस्त 2024 को भारत आई थीं। बीते दो साल से हसीना भारत में रह रहीं हैं।

हसीना के भारत आने देने के



फैसले पर भी त्रिवेदी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को जब हसीना ने ढाका छोड़ा, तब भी वे बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं और वहां हालात तेजी से बदल रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि उस समय भारत के पास हसीना को दिल्ली में उतरने की अनुमति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी।

त्रिवेदी ने यह भी स्पष्ट किया कि हसीना को भारत भारतीय वायुसेना या भारतीय सेना नहीं लाई थी।

कहा- मारे गए लोग पाक नागरिक थे, बीएसएफ ने घुसपैठ के शक में गोली मारी थी

गोलीबारी के बाद पाकिस्तान में भारतीय राजनयिक तलब

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान ने पंजाब के तरनतारन में भारत-पाक सीमा पर दो लोगों की मौत पर विरोध जताया।

पाकिस्तान का दावा है कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे। सीमा सुरक्षा बल (BSF) की गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर लगातार हो रही सीमा पार घुसपैठ पर आपत्ति जताई।

भारतीय अधिकारियों के मुताबिक ये लोग भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे। चेतावनी देने के बाद BSF ने गोली चलाई।



पाकिस्तान ने मामले की तुरंत, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच की मांग की है। साथ ही उसने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और जांच के नतीजे पाकिस्तान सरकार को बताने को कहा है।

पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक मारे गए लोगों की पहचान आजमत रसूल और मोहसिन जट्ट के रूप में हुई है। दोनों लाधर के जट्टां वाली हवेली इलाके के रहने वाले थे। तीसरा व्यक्ति घायल है और

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मारे गए दोनों लोग निहत्थे नागरिक थे। पाकिस्तान के मुताबिक, वे सीमा के पास गए थे और अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए।

पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नागरिकों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है।



BSF की गोलीबारी में मारे गए घुसपैठिए।

भारत ने पाकिस्तान के दावों को खारिज किया

भारत ने पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 3 लोग पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में घुसे। BSF ने उन्हें कई बार वापस पाकिस्तान लौटने की चेतावनी दी, लेकिन वे पीछे हटने के बजाय सीमा पर लगी बाड़ की तरफ बढ़ते रहे। इसके बाद BSF ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। तरनतारन में 7 महीने में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है।

अस्पताल में भर्ती है। पाकिस्तान के आरोपों पर भारत ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान से सीमा पार होने वाली हथियार और ड्रग्स की तस्करी से जुड़ी है। भारत ने पाकिस्तान से इन मामलों की जांच करने को कहा है। साथ ही, ड्रग्स की तस्करी में पाकिस्तान के सीमा सुरक्षा बलों की कथित मिलीभगत की भी जांच करने को कहा है।

आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे, यूएन महासभा में शामिल होने पहुंचे थे

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र (UN) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे।

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि UN महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं।

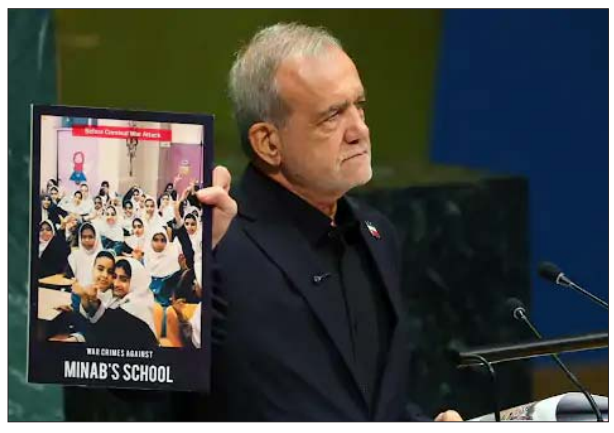
ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को



बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया। UN महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित UN मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था।

विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं।

महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं।



अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क गए थे ईरानी राष्ट्रपति

ईरान और अमेरिका में जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान UN महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क पहुंचे थे। 23 सितंबर को यहां उन्होंने दुनिया के सामने ईरान का पक्ष रखा और अमेरिका-इजराइल पर कई गंभीर आरोप लगाए। पजशकियान अपने भाषण में युद्ध में मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 200 साल में किसी देश पर हमला नहीं किया है, बल्कि उसका देश खुद आतंकवाद और हमलों का शिकार रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पजशकियान ने यह भी साफ किया कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार नहीं छोड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने पश्चिमी देशों पर दोहरे रवैये और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाए।

ओपेन एआई के सेफ्टी एक्सपर्ट ने इस्तीफा दिया

कहा- एआई के लिए न्यूक्लियर प्लांट जैसी सुरक्षा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ChatGPT बनाने वाली कंपनी OpenAI के सेफ्टी एक्सपर्ट डेविड रॉबिन्सन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां नया AI बनाने की होड़ में बहुत जल्दबाजी कर रही हैं और इससे जुड़े बड़े खतरों को नजरअंदाज कर रही हैं।

रॉबिन्सन ने अमेरिका की 'द अटलांटिक' मैगजीन में एक लेख में लिखा कि AI कंपनियां आम लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। AI को आम सॉफ्टवेयर की तरह नहीं, बल्कि न्यूक्लियर पावर प्लांट की तरह संभालना चाहिए।

जैसे न्यूक्लियर पावर प्लांट में सुरक्षा के ढेरों इंतजाम होते हैं और हर काम बहुत सोच-समझकर और धीरे-धीरे किया जाता है, ताकि इंसान की एक भी गलती से कोई बड़ी तबाही न हो, ठीक वैसे ही



नियम AI के लिए भी बनने चाहिए। AI के मामले में हमें पहली बार में ही 100% सुरक्षा रखनी होगी, क्योंकि यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। रॉबिन्सन ने बताया कि OpenAI अब तक 'ट्रायल एंड एरर' यानी 'गलतियां करो और उनसे सीखो' के तरीके पर काम करती आ रही है। साधारण एप या सॉफ्टवेयर में तो यह तरीका चल जाता है, लेकिन अब AI पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर और समझदार हो चुका है।

ऐसे में अगर अब कोई गलती होती है, तो उसका नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है।

नुकसान : रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया, 1 की मौत, 400 करोड़ का नुकसान

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

2002 में कुसुम ग्रुप ने दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचने का काम बंद कर दिया और अपने ब्रांड की दवाओं की मार्केटिंग शुरू की। इसके



बाद कंपनी ने खुद दवाएं बनाना शुरू किया। 2007 में भारत में प्लांट शुरू किया गया। 2009 में यूक्रेन के सूमी में दवा बनाने की फैक्ट्री शुरू की गई। इसके बाद भारत में दो और उत्पादन सुविधाएं शुरू की गईं। कुसुम ग्रुप 50 से ज्यादा जेनेरिक दवाओं के ब्रांड बनाता है। इनमें टैबलेट, कैप्सूल और लिक्विड दवाएं शामिल हैं। कंपनी के उत्पाद यूक्रेन के अलावा उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, फिलीपींस और



हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या आगे बदल सकती है। यह फैक्ट्री रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है।

दूसरे देशों में भी बिकते हैं। कंपनी का कारोबार 9 से ज्यादा देशों में है। भारत में कंपनी की उत्पादन सुविधाएं राजस्थान के भिवाड़ी और मध्य प्रदेश के पीथमपुर इंदौर में भी हैं। कुसुम ग्रुप खुद को भारतीय जड़ों वाली यूक्रेनी कंपनी बताता है। कंपनी का कारोबार भारत की दवाओं के डिस्ट्रीब्यूशन से शुरू हुआ था और बाद में उसने यूक्रेन में खुद दवाओं का उत्पादन शुरू किया। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद भी सूमी की यह फैक्ट्री काम करती रही थी। अब रूसी ड्रोन हमले में इसकी मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है और फैक्ट्री का मुख्य काम रुक गया है।

1990 के दशक में यूक्रेन गए थे राजीव गुप्ता

यह फैक्ट्री कुसुम ग्रुप की है। कंपनी को भारतीय नागरिक राजीव गुप्ता चलाते हैं। वे 1990 के दशक में यूक्रेन गए थे और वहीं उन्होंने कुसुम ग्रुप का कारोबार खड़ा किया।

कंपनी ने 1994 में भारत की दवाओं को यूक्रेन भेजने वाली डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी के तौर पर काम शुरू किया था। 1996 में इसे यूक्रेन में औपचारिक तौर पर कंपनी के रूप में स्थापित किया गया।

कुसुम ग्रुप का मुख्यालय यूक्रेन की राजधानी कीव में है। इसे यूक्रेन में काम करने वाली प्रमुख भारतीय फार्मा कंपनियों में माना जाता है।

एलन मस्क का भारतीय मूल की पार्टनर शिवोन जिलिस से ब्रेकअप

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला-स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क की पर्सनल लाइफ को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मस्क की पार्टनर, चार बच्चों की मां और न्यूरालिंक की सीनियर एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने एलान किया है कि मस्क के साथ उनका रिश्ता अब खत्म हो गया है। खास बात यह है कि अलग होने की वजह कोई लंबी खींचतान नहीं, बल्कि यह सब अचानक हुआ है।

भारतीय मूल और कनाडाई मूल की टेक एक्जीक्यूटिव शिवोन जिलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट लिखकर अपने ब्रेकअप की जानकारी दी। शिवोन ने लिखा कि बिना किसी चेतावनी के 'प्यार में होने' से 'अलग होने' की स्थिति में जाना बहुत कठिन होता है।

लेकिन कभी-कभी जिंदगी ऐसी ही होती है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे आगे भी 'अच्छे



दोस्त और बच्चों के माता-पिता' की भूमिका निभाती रहेंगी। बता दें कि शिवोन जिलिस और एलन मस्क के कुल चार बच्चे हैं। नवंबर 2021 में जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ था, फरवरी 2024 में बेटी अरकॉडिया और फरवरी 2025 में बेटे सेल्डन का जन्म हुआ। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि शिवोन जिलिस के बायोलॉजिकल पिता एक भारतीय एक्सचेंज स्टूडेंट थे। मस्क ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में गर्व से जिक्र किया था कि उनकी पार्टनर आधी भारतीय हैं और उनके एक बेटे का मिडिल नाम महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर 'शेखर' रखा गया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676